सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"बड़ा आदमी वह है जो अपने पास बैठे व्यक्ति को छोटा महसूस ना होने दें"...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–75 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 05 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है – मुख्यमंत्री साय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में माओवाद पर निर्णायक विजय : मुख्यमंत्री साय ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के 31 मार्च 2026 को माओवादी आतंक से मुक्त होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शहीद जवानों, बस्तर की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र, सुरक्षा बलों और बस्तर की जनता के सामूहिक संकल्प का परिणाम है।

उन्होंने सर्वप्रथम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसपूर्ण और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया, जिनके मार्गदर्शन, संकल्प और सतत प्रेरणा ने माओवादी हिंसा के विरुद्ध इस निर्णायक अभियान को दिशा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए उस संदेश को भी स्मरण किया, जिसमें उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़ने का आह्वान करते हुए युवाओं से मानवता के दृष्टिकोण से सोचने की प्रेरणा दी थी।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रति भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्हें माओवादी उन्मूलन की रणनीति का प्रमुख शिल्पी बताया। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने रायपुर में 31 मार्च 2026 तक माओवाद समाप्त करने का संकल्प लिया था, जिसे पूरी दृढ़ता के साथ पूरा किया गया। उनके नेतृत्व में सुरक्षा बलों को स्पष्ट दिशा, आवश्यक संसाधन और निरंतर प्रोत्साहन मिला, साथ ही उन्होंने यह स्पष्ट संदेश दिया कि हिंसा का उत्तर दृढ़ता से दिया जाएगा, जबकि शांति का मार्ग अपनाने वालों का स्वागत किया जाएगा।

शहीदों के बलिदान से लिखी गई बस्तर की नई कहानी: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद जवानों के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके सवीच्च बलिदान ने इस ऐतिहासिक सफलता की नींव रखी है। साथ ही उन्होंने सुरक्षा बलों के उन बहादुर जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने साहस और संकल्प के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना माओवाद की जड़ों पर प्रहार किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर की जनता के प्रति भी विशेष कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही इस परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत बना। उन्होंने उस दौर को याद किया जब मतदान करने पर उंगली काटने की धमकियाँ दी जाती थीं, इसके बावजूद लोगों ने निर्भय होकर लोकतंत्र को मजबूत किया। यही जनविश्वास एक ऐसे नेतृत्व को स्थापित करने में निर्णायक सिद्ध हुआ, जिसने एक दशक के भीतर इस चुनौती का समाधान किया।

हिंसक माओवादी विचारधारा ने वर्षों तक अनगिनत परिवारों को पीड़ा दी – मांओं की कोख उजड़ी, बहनों का सुहाग छिना और मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, जबकि देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए हजारों जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी; यह संघर्ष केवल सुरक्षा बलों का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के आत्मबल और संकल्प का प्रतीक रहा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद माओवादी हिंसा के विरुद्ध एक निर्णायक और सुनियोजित रणनीति पर कार्य प्रारंभ हुआ, जिसके परिणामस्वरूप देश के कई राज्य इस चुनौती से मुक्त हुए, हालांकि छत्तीसगढ़ और उसके पड़ोसी क्षेत्रों में यह समस्या बनी रही; ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से राज्य में डबल इंजन सरकार के गठन के बाद पिछले ढाई वर्षों में सामूहिक संकल्प के बल पर इस सशस्त्र माओवादी नासूर का समूल नाश संभव हो सका।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने उन लोगों का स्वागत किया है, जिन्होंने माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास जताया है, और यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियान का परिणाम नहीं बल्कि विश्वास, पुनर्वास और विकास के समन्वित प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि जनता के विश्वास की रक्षा सवीच्च प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि अब बस्तर में एक नया अध्याय प्रारंभ हो चुका है – जहाँ बच्चे निर्भय होकर विद्यालय जाएंगे, माताएं और बहनें स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकेंगी और विकास का प्रकाश हर गांव तक पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है। इसी विश्वास और संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर है।

जगदलपुर में आधी रात धरती कांपी 4.4 तीव्रता के भूकंप से दहशत

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर सहित उड़ीसा सीमा क्षेत्र में शनिवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन गया। रात करीब 11:30 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता 4.4 रिक्टर स्केल पर दर्ज की गई, जिसका केंद्र उड़ीसा के कोरापुट क्षेत्र के पास बताया गया है।

अचानक झटकों से सहमे लोग

भूकंप के अचानक आए झटकों से जगदलपुर शहर के कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अघनपुर, छत्रपति शिवाजी वार्ड सहित अन्य क्षेत्रों में लोगों ने जमीन और दीवारों में हल्की कंपन महसूस की। कई लोग उस समय घर के बाहर बातचीत कर रहे थे या भजन–कीर्तन में लगे थे, तभी अचानक कंपन महसूस होते ही अफरा–तफरी जैसी स्थिति बन गई।

5 किलोमीटर गहराई में था केंद्र

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था, जिसके कारण झटके आसपास के क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से महसूस किए गए।

नहीं हुई कोई जनहानि

राहत की बात यह रही कि इस भूकंप से अब तक किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासनिक अमला स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय लोगों से संपर्क में है।

भूकंप के इन झटकों ने भले ही बड़ा नुकसान नहीं किया, लेकिन देर रात आए इस कंपन ने लोगों के बीच डर और अनिश्चितता का माहौल जरूर पैदा कर दिया।

उड़ीसा के कई क्षेत्रों में भी असर

इस भूकंप का असर उड़ीसा के कोरापुट, जाजपुर और बोरीगुमा क्षेत्रों में भी देखा गया, जहां लोगों ने जमीन में हलचल महसूस की और एहतियातन घरों से बाहर निकल आए।

ईरान में 'डेरिंग रेस्क्यू ऑपरेशन' का दावा

लापता अमेरिकी एयरमैन को सुरक्षित निकाला, ट्रंप बोले–इतिहास के सबसे साहसी मिशनों में से एक

नई दृष्टिबिंदु / वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)

मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि ईरान में लापता हुए एक अमेरिकी एयरमैन को सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रंप के अनुसार यह ऑपरेशन अमेरिकी सैन्य इतिहास के सबसे साहसी सर्च एंड रेस्क्यू मिशनों में से एक रहा।

एफ–15ए गिरने के बाद लापता हुआ था एयरमैन

जानकारी के मुताबिक संबंधित अधिकारी एक कर्नल रैंक के एयरमैन थे, जो एफ–15ए फाइटर जेट के गिराए जाने के बाद दुश्मन इलाके में लापता हो गए थे। बताया जा रहा है कि वे करीब दो दिनों तक पहाड़ी इलाके में छिपे रहे।

टेक्नोलॉजी बनी जीवन रक्षक

एयरमैन ने अपने सर्वाइवल किट में मौजूद जीपीएस ट्रैकर बीकन और एन्क्रिप्टेड रेडियो के जरिए अमेरिकी बलों से संपर्क बनाए रखा। इसी सटीक लोकेशन के आधार पर रेस्क्यू ऑपरेशन की योजना बनाई गई और उसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

रात के अंधेरे में चला हाई–रिस्क ऑपरेशन

सूत्रों के अनुसार, यह रेस्क्यू मिशन रात के अंधेरे में अंजाम दिया गया, जिसमें कई एयरक्राफ्ट और

स्पेशल फोर्स शामिल थीं। ऑपरेशन के दौरान फायरिंग भी हुई, लेकिन विशेष रेस्क्यू यूनिट ने दुश्मन इलाके में घुसकर एयरमैन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।एयरमैन घायल है, हालांकि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पहले भी एक पायलट को बचाया गया

अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी बताया कि एक दिन पहले इसी तरह के एक अन्य गुप्त ऑपरेशन में एक और पायलट को सुरक्षित निकाला गया था। दूसरे मिशन को गोपनीय रखा गया ताकि पहले एयरमैन की लोकेशन खतरे में न पड़े।

ईरान ने साधी चुप्पी, तनाव बरकरार

इस पूरे घटनाक्रम पर क्ष्ंज्ञ की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं ट्रंप द्वारा दिए गए 48 घंटे के अल्टीमेटम—हारमोंस जलडमरूमध्य खोलने या समझौते—को ईरान ने खारिज कर दिया है। ईरानी पक्ष का कहना है कि अमेरिका दबाव बनाने के लिए धमकी दे रहा है, जबकि ट्रंप ने चेतावनी दी है कि समय सीमा पूरी होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

तनाव बढ़ने के संकेत

इस घटनाक्रम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और गहराने के संकेत मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि सैन्य गतिविधियों और बयानबाजी के इस दौर में हालात और ज्यादा संवेदनशील हो सकते हैं।

कमर्शियल गैस की किल्लत, भारी कालाबाजारी, 'जन सरोकार मंच' ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत और इसके पीछे फल–फूल रहे संगठित भ्रष्टाचार को लेकर 'जन सरोकार मंच' ने मोर्चा खोल दिया है। मंच के सदस्यों ने जिला कलेक्टर को एक पत्र सौंपकर निजी कंपनियों द्वारा की जा रही कालाबाजारी की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

2100 का सिलेंडर 4000 में बेचने का आरोप : शिकायती पत्र में यह सनसनीखेज खुलासा किया गया है कि जो कमर्शियल सिलेंडर 2100 में मिलना चाहिए, उसे निजी एजेंसियां बिना बिल के 3700 से 4000 तक में बेच रही हैं। मंच का आरोप है कि यह सीधे तौर पर आवश्यक वस्तु अधिनियम का उल्लंघन है और प्रशासन की नाक के नीचे आम जनता और छोटे व्यापारियों को लूटा जा रहा है।

प्रशासन की '20 प्रतिशत सप्लाई' नीति पर सवाल : पत्र के माध्यम से बताया गया कि प्रशासन द्वारा कमर्शियल गैस आपूर्ति में बनाई गई 20 प्रतिशत की नीति छोटे व्यापारियों के लिए अभिशाप बन गई है।

चूल्हा युग की वापसी: आपूर्ति कम होने से छोटे होटल संचालक ठेले वाले लकड़ी जलाने को मजबूर हैं।

रसूखदारों का बोलबाला: आरोप है कि कटौती के बावजूद बड़े और प्रभावशाली लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल रहे हैं, जबकि निगरानी का कोई तंत्र मौजूद नहीं है।

जांच के लिए रखी गई प्रमुख मांगें: जन सरोकार मंच ने जिला प्रशासन के सामने पांच मुख्य बिंदु रखे हैं।

स्टॉक का भौतिक सत्यापन: निजी कंपनियों के पास मौजूद कुल स्टॉक और उनके दैनिक वितरण का मिलान किया जाए।

निजी कंपनियों के वितरकों द्वारा बिना बिल की बिक्री पर रोक: अनाप–शनाप कीमतों पर हो रही अवैध बिक्री को तुरंत रोका जाए।

होटल सप्लाई की जांच: होटलों को मिलने वाले सिलेंडरों के बिलों का मिलान अधिकृत एजेंसी के रिकॉर्ड से हो।

घरेलू सिलेंडर का दुरुपयोग: बाजार में कृत्रिम किल्लत पैदा कर घरेलू (लाल) सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर लगाम लगाई जाए।

विशेष टीम का गठन: दोषियों पर कारवाई के लिए एक स्पेशल जांच टीम बनाई जाए।

आंदोलन की चेतावनी

पत्र के अंत में मंच के सदस्य राजकुमार गुप्ता, अभय कुमार एवं अन्य ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस लूट और भ्रष्टाचार को नहीं रोका गया, तो 'जन सरोकार मंच' आम जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रोस्टर में 8 अप्रैल से होगा बदलाव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के रोस्टर में 8 अप्रैल से बदलाव हो रहा है। अब तीन डिवीजन बेंच के अलावा तेरह सिंगल बेंचों में नियमित सुनवाई की जाएगी। पहली डीबी में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल सभी जनहित याचिकाओं, हेबियस कार्पस पिटीशन, 2020 तक की क्रिमिनल अपील, अवमानना याचिका क्रिमिनल, सेक्शन 482 के तहत आवेदन, 419, 378 पर सुनवाई करेंगे। दूसरी डीबी में जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस सचिन सिंह राजपूत सभी सिविल मामले , कंपनी अपील टेक्स मामले , अल्ट्रा वायरस मामले 2022 तक सुनेंगे। यह डिवीजन बेंच मामलों का कमर्शियल अपीलेट भी रहेगा। जस्टिस संजय अग्रवाल और जस्टिस एन के व्यास की तीसरी डीबी उन क्रिमिनल मामलों को देखेगी जो किसी डीबी को नहीं दिए गये हैं। 2016 तक की इक्विटल अपील और 2022 तक के अल्ट्रा वायरस मामलों पर भी यही बेंच सुनवाई करेगी। इसके अलावा चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की स्पेशल सिंगल बेंच समेत कुल 13 सिंगल बेंच निर्धारित की गईं हैं।

आरटीई प्रतिपूर्ति राशि पर निजी स्कूलों का हल्ला 15 साल से जमी दरें, शिक्षा व्यवस्था पर संकट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शिक्षा के अधिकार कानून के तहत निजी स्कूलों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि को लेकर अब प्रदेशभर में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। वर्ष 2011 से तय की गई राशि में अब तक कोई बढ़ोतरी नहीं होने से छत्तीसगढ़ प्रायवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने इसे शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर संकट बताया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2011 में कक्षा पहली से पांचवीं तक प्रति छात्र 7000 रुपये तथा कक्षा छठवीं से आठवीं तक 11,400 रुपये प्रतिवर्ष प्रतिपूर्ति राशि निर्धारित की गई थी। वहीं, वर्ष 2018 में कक्षा नवमी से

बारहवीं तक को फ्ळए के दायरे में लाते हुए 15,000 रुपये प्रति छात्र प्रतिवर्ष तय किए गए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बीते 15 वर्षों में इन दरों में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

2016 से जारी मांग, हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला

निजी स्कूल संगठन वर्ष 2016 से लगातार प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाने की मांग कर रहा है। मांगों की अनदेखी होने पर संगठन ने जुलाई 2025 में बिलासपुर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका क्रमांक WP(C) 4988/2025 में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 19 सितंबर 2025 को राज्य सरकार को 6 माह के भीतर इस विषय पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

इसके बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने पर संगठन ने 1 मार्च 2026 से असहयोग आंदोलन का ऐलान कर दिया है। आंदोलन के तहत निजी स्कूल संचालक विभाग के किसी भी पत्र या नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा असर

संगठन का कहना है कि वर्तमान प्रतिपूर्ति राशि इतनी कम है कि स्कूलों के लिए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना मुश्किल हो गया है। लगातार बढ़ती महंगाई, शिक्षकों के वेतन, संसाधनों और आधारभूत सुविधाओं के खर्च के बीच यह राशि अपर्याप्त साबित हो रही है।

अन्य राज्यों से पीछे छत्तीसगढ़

आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ की प्रतिपूर्ति राशि अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है। असमः 16,396 रुपये, चंडीगढ़ः 28,176 रुपये, हिमाचल प्रदेशः 34,744 रुपये, महाराष्ट्रः 17,670 रुपये, उड़ीसाः 21,247 रुपये, उत्तराखंडः 16,596 रुपये जबकि छत्तीसगढ़ में यह राशि वर्षों से स्थिर बनी हुई है। देश में केवल बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ही ऐसे राज्य हैं जहां इससे भी कम प्रतिपूर्ति दी जा रही है।

सरकार की चुप्पी पर सवाल

हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग की चुप्पी अब सवालों के घेरे में है। निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर यह मुद्दा अब तूल पकड़ता जा रहा है और आने वाले दिनों में यह बड़ा आंदोलन बन सकता है।

धर्मांतरण पर कड़ा प्रहार, युवाओं को शक्ति-भक्ति के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज के तत्वावधान में आर्य समाज स्थापना के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित जन-जागृति अभियान, 151 कुंडीय राष्ट्र रक्षा महायज्ञ एवं विराट आर्य महासम्मेलन के अंतर्गत धर्म रक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए सुप्रसिद्ध युवा वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य ने ओजस्वी उद्बोधन दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश और धर्म की रक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को चतुर्भुज बनना होगा। चर्तुभुज की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि अब केवल दो भुजाओं से कार्य नहीं चलेगा, बल्कि दुगुनी ऊर्जा, दुगुना परिश्रम और पूर्ण समर्पण के साथ आगे आना होगा।

धर्मांतरण को देश की एकता और अखंडता के लिए घातक बताते हुए उन्होंने समाज को सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे देवी-देवताओं के हाथों में अस्त्र-शस्त्र केवल प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति और सजगता के संदेश हैं।

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज का युवा सिक्स पैक के आकर्षण में उलझ रहा है, जबकि उसका वास्तविक आदर्श पराक्रमी चरित्र हनुमान, भीम और बजरंगबली होने चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शक्ति, भक्ति और समर्पण के मार्ग पर चलते हुए देश और धर्म की आन-बान-शान के लिए सदैव तत्पर रहें।

शंख, चक्र, पद्म और गदा की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि शंख आवाज का प्रतीक है—जो समाज अपनी आवाज बुलंद करना नहीं जानता, वह समाप्त हो जाता है। चक्र गति का प्रतीक है—जो गतिशील रहेगा वही सुरक्षित रहेगा। पद्म समृद्धि का प्रतीक है—यह केवल धन नहीं, बल्कि विचारों की समृद्धि का भी प्रतीक है। गदा शक्ति का प्रतीक है—निर्बल व्यक्ति न तो स्वयं की रक्षा कर सकता है और न ही धर्म की।

उन्होंने कहा कि भारत ऋषियों का देश है, जिसने संपूर्ण विश्व को वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है, किंतु इसके साथ ही आत्मबल, संगठन और जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि सच्चा नशा शक्ति, भक्ति और राष्ट्रसेवा का होना चाहिए। आचार्य डॉ. अजय आर्य के ओजस्वी वक्तव्य को उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत सराहा। धर्म रक्षा सम्मेलन में उपस्थित संत-महात्माओं स्वामी विशुद्धानंद सरस्वती, स्वामी व्रतानंद सरस्वती, स्वामी सुधानंद सरस्वती सहित अन्य साधु-संतों ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर वानप्रस्थी सुरेश मुनि, वानप्रस्थी सचेतन मुनि, आचार्य भगवन देव, वानप्रस्थी चैतन्य मुनि, धनुर्धर महापात्र, शिव प्रसाद पात्र, रमेश भोई, बैसाखू सेठ, आचार्य कृष्णदेव शास्त्री, आचार्य बृहस्पति शास्त्री, आचार्य पूर्णानंद शास्त्री, सोमदत्त शास्त्री, प्रेम प्रकाश शास्त्री, आरुणि कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का परिचय

यह धर्म रक्षा सम्मेलन आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित व्यापक जन-जागृति अभियान का हिस्सा था, जिसमें राष्ट्र रक्षा महायज्ञ, वैदिक प्रचार-प्रसार एवं समाज में धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को सशक्त करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

खास खबर

सघन चेकिंग अभियान का असर : 80 प्रतिशत दोपहिया वाहन चालकों ने अपनाया हेलमेट

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

जिले में यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे लगातार सघन वाहन चेकिंग अभियान का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग करते हुए पाए गए हैं, जो सड़क सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। यातायात पुलिस और थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पिछले दो माह से जिले के रेल चौक, डीपीएस चौक, मुर्गा चौक, सुभाष चौक, श्रीराम चौक, जुनवानी चौक एवं राजेन्द्र प्रसाद चौक पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात तक सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

नियम तोड़ने वालों पर हुई चालानी कार्रवाई

अभियान के तहत विशेष रूप से निम्न उल्लंघनों पर ध्यान दिया जा रहा है: बिना हेलमेट वाहन चलाना, तीन सवारी बैठाना, शराब सेवन कर वाहन चलाना शामिल है। वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में ही 20,930 चालकों पर बिना हेलमेट चालान की कार्रवाई की गई है। लगातार कार्रवाई और जागरूकता अभियानों के चलते नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति समझ बढ़ी है। पहले की तुलना में हेलमेट पहनने की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं, सभी यातायात नियमों का पालन करें, पुलिस का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

सैकड़ों बच्चों ने डाली आहुति, वैदिक परंपरा के साथ महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों के अनुरूप भव्य हवन-यज्ञ के साथ अत्यंत श्रद्धा और उल्लासपूर्वक किया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, सकारात्मकता एवं सांस्कृतिक गरिमा से ओत-प्रोत दिखाई दिया। कार्यक्रम का विधिवत संचालन आचार्य अंकित शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन की प्रत्येक प्रक्रिया को संपन्न कराया। इस दौरान शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन एवं उत्साह के साथ भाग लेते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। हवन के धुएं और मंत्रों की गूंज से सम्पूर्ण परिसर में शुद्धता एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ, जिससे उपस्थित सभी जन अभिभूत नजर आए।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अंजू ठाकुर ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के विकास का सशक्त आधार है। वैदिक परंपराओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है, जो उन्हें जीवन में सफलता की ओर अग्रसर करती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने सामूहिक प्राथर्ना करते हुए ईश्वर से विद्यालय परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की तथा नए सत्र को उपलब्धियों से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया।

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग चुनाव : 85 प्रतिशत मतदान, प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटी में कैद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के चुनाव 2026 के तहत शनिवार 04 अप्रैल को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान सम्पन्न हुआ। प्रातः 09 बजे से संध्या 05 बजे तक अधिवक्ता कक्ष क्रमांक 04 के पीछे स्थित मैदान में मतदान हुआ, जिसमें अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चुनाव में कुल 1703 मतदाताओं में से 1454 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो लगभग 85 प्रतिशत मतदान रहा। इस दौरान कुल 17 पदों के लिए 64 प्रत्याशी मैदान में रहे, जिनका भाग्य अब मतपेटी में कैद हो गया है।

मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी मतदाताओं से वन बार वन वोट के तहत घोषणा पत्र भरवाया गया, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि वे केवल जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग में ही पंजीकृत हैं और यहीं मतदान कर रहे हैं। मतदान के लिए अधिवक्ता परिचय पत्र अनिवार्य रखा गया था।

मतदाताओं को दो अलग-अलग रंग के मतपत्र प्रदान किए गए—नीले रंग के मतपत्र में पदाधिकारियों के नाम और गुलाबी रंग के मतपत्र में कायर्कारिणी सदस्यों के नाम शामिल थे। मतदान के दौरान यह भी निर्देश दिया गया कि निर्धारित पदों की संख्या से अधिक प्रत्याशी चुनने पर संबंधित मतपत्र अवैध माना जाएगा।

अध्यक्ष पद हेतु 8, वरिष्ठ उपाध्यक्ष 7, कनिष्ठ उपाध्यक्ष (महिला) 5, सचिव 3, कोषाध्यक्ष 4, सहसचिव (पुरुष) 4, सहसचिव (महिला) 3, ग्रंथपाल 3, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (सामान्य) 2, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (महिला) 3 प्रत्याशी मैदान में रहे। वहीं कार्यकारिणी सदस्य (सामान्य) के 5 पदों के लिए 18 प्रत्याशी और महिला कार्यकारिणी सदस्य के 2 पदों के लिए 4 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

चुनाव परिणामों की घोषणा चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। 10 पदाधिकारियों के लिए मतगणना 05 अप्रैल को सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगी, जबकि 7 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए मतगणना 06 अप्रैल को सुबह 9 बजे से की जाएगी। चुनाव के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों एवं प्रशासन ने संतोष व्यक्त किया है।

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की दिशा बोस ने जीता कांस्य पदक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्थानीय श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की फार्मेसी की छात्रा दिशा बोस ने 54वीं राष्ट्रीय हैंडबाल वुमेन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता विगत 30 मार्च से 03 अप्रैल तक उत्तरप्रदेश के बरेली में फ्यूचर यूनिवर्सिटी एवं हैंडबाल एसोसियशन आफ इंडिया एवं उत्तरप्रदेश के तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के विश्वविद्यालयों एवं संगठन की टीमों ने हिस्सा लिया। हिमांचल प्रदेश ने प्रथम आकर स्वर्ण पदक जीता। छत्तीसगढ़ की दिशा बोस जो की शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की छात्रा है ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता, दिशा बोस स्कूल स्तर से हैंडबाल में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कई प्रसिद्ध प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है।

उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा, कुलसचिव डॉ. स्मिता सेलट, फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. हेमंत बडवाईक ने बधाई दी है। विश्वविद्यालय के क्रीडा संचालक युवराज राउत ने दिशा की इस सफलता को उनके कोच के मार्गदर्शन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रोत्साहन को श्रेय दिया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय की टीम विभिन्न खेलो की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ में भाग ले रही है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 अप्रैल से

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सो को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग में पांच दिवसीय सूकर पालन प्रशिक्षण का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति घटक (आदिवासी उपयोजना), शिक्षा, योजना एवं गृह विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (नई दिल्ली) के सहयोग से संचालित टीएसपी प्रोजेक्ट कोंडागांव जिले के जनजातीय समुदाय की आजीविका सुरक्षा में सुधार हेतु उन्नत सूकर नस्ल (इंप्रूव्ड पिगरी जर्मप्लाज्म) का परिचय के तहत आयोजित 5 दिवसीय वैज्ञानिक सूकर पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 27 मार्च 2026 को सफलतापूर्वक किया गया।

यह प्रशिक्षण 23 मार्च से 27 मार्च 2026 तक निदेशालय विस्तार शिक्षा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में कोंडागांव जिले के विभिन्न ग्रामों जैसे नाहकानार, चेमा, आदनार, बादालूर, मर्दापाल, रानापाल एवं हथकली से आए किसानों की भागीदारी रही, जिससे कार्यक्रम की व्यापक पहुंच एवं जनजातीय क्षेत्रों में इसकी प्रभावशीलता स्पष्ट हुई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सूकर पालन की वैज्ञानिक तकनीकों, उन्नत नस्ल प्रबंधन, संतुलित आहार, आवास प्रबंधन, रोग नियंत्रण, टीकाकरण, जैव सुरक्षा, लागत-लाभ विश्लेषण, विपणन एवं उद्यमिता विकास से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आरआरबी सिंह ने अपने संबोधन में वैज्ञानिक सूकर पालन को जनजातीय समुदाय की आय वृद्धि का प्रभावी साधन बताते हुए इसे अपनाने पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि/अधिष्ठाता डॉ.एस.पाल, कुलसचिव डॉ. बीपी राठिया एवं निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. एमके गेंदले, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. दिलीप चौधरी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. रामचन्द्र रामटेके, डॉ. मेहताब सिंह परमार, संजीव जैन तथा अचर्ना खोब्रागड़े भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम से उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक सूकर पालन की जानकारी प्राप्त हुई है, जिससे वे भविष्य में बेहतर उत्पादन एवं आय अर्जित कर सकेंगे। उन्होंने विशेष रूप से प्रशिक्षण के प्रायोगिक सत्र, विशेषज्ञों के मार्गदर्शन तथा उद्यमिता से जुड़ी जानकारी को अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रशिक्षण आयोजन सचिव डॉ.एसके वर्मा का विशेष योगदान रहा, जबकि परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ.अमित कुमार गुप्ता ने परियोजना की उपलब्धियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ.जागृति कृष्णन द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मंचीय पुराधाओं ने छत्तीसगढ़ी लोकमंच को दिया विस्तृत आसमान : मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अगासदिया संस्था की ओर से प्रसिद्ध कलाकार कोदूराम वर्मा की स्मृति में समारोह आमदीनगर में एक अप्रेल को आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा थे। शुरूआत में प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले ने मंगल गान प्रस्तुत किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रभात मिश्राने कहा कि हमारे पुरखों ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में भाषा, संस्कृति लोकमंच के क्षेत्र से बड़ा योगदान दिया है। अगासदिया द्वारा ऐसे पुरोधा सदैव याद किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा आठवीं अनुसूची में सम्मिलित हो यह हमारा सपना और संकल्प है। छत्तीसगढ़ी भाषा को सम्मान मिलना ही छत्तीसगढ़ का सम्मान है।

उन्होने कहा कि हमारे रचनाकार प्रतिभा सम्पन्न और यशस्वी हैं। हर विधा में विशेष लेखन हो रहा है। मंचीय पुराधाओं ने छत्तीसगढ़ी लोकमंच के विस्तृत आसमान को चमकदार बनाकर दुनियाँ भर का ध्यान आकृष्ट किया। हमें स्वाभिमान और सम्मान से जीना सिखाया।

अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार व भाषाविद् डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि ऐसे बहुआयामी आयोजन से जुड़कर हम सब समृद्ध होते हैं। कलाकारों और साहित्यकारों के बीच डॉ. परदेशीराम वर्मा समान रूप से लोकप्रिय हैं। वे संस्कृति क्षेत्र में भी लेखन के माध्यम से महत्वपूर्ण काम करते हैं।

विशेष अतिथि डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्वाभिमान और पहचान के लिए हम सब मिलकर काम करते हैं। संचालन करते हुए डॉ. रजनी नेलसन ने बताया कि एक अप्रैल को वरिष्ठ साहित्यकार संतोष झांझी, रंगोली कलाकार और शिक्षाविद् स्मिता वर्मा तथा रामचरित मानस गायिका ललिता साहू का जन्मदिन भी है। तीनों को अतिथियों ने बधाई दी। इस दौरान श्रीमती स्मिता वर्मा की चुनिंदा रंगोली कलाकृतियों का प्रदर्शन भी हुआ। अतिथियों ने विभिन्न पर्वो, व्यक्तित्वों पर केन्द्रित रंगोली कला को सराहा।

आयोजन में पत्रकार गण, राजेन्द्र सोनबोईर, मुहम्मद जाकिर हुसैन और पुनीत कौशिक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कलाकार महेश वर्मा ने कोदूराम वर्मा के मंचीय योगदान पर वक्तव्य देते हुए उन्हें कलाऋषि के रूप मे याद किया। उन्होंने शब्दभेदी बाण चलाने की स्व. कोदूराम की प्रतिभा का विशेष रूप से उल्लेख किया। अगासदिया के अध्यक्ष डॉ. परदेशीराम वर्मा ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ के मंचीय पुरोधा और सूत्रधार दुलारसिंह साव मंदराजी, रामचंद्र देशमुख, महासिंह चंद्राकर सहित कोदूराम वर्मा सभी समृद्ध बड़े भूपति थे। इन्होंने लोककला एवं मंच को समृद्ध करने के लिए पैतृक सम्पत्ति को लगाया। परोपकारी ऐसे पुरोधा सामने आए इसलिए छत्तीसगढी. लोकमंच का चमकता हुआ आसमान सबको आकृष्ट करता है।

आयोजन में महासमुंद के साहित्यकार राजेश्वर बन्धु खरे, रायपुर के साहित्यकार डॉ. सुखदेवे भिलाई की पद्मश्री कलाकार उषा बारले और समाजसेवी राम सेवक वर्मा ने अतिथियों को सम्मानित किया। कोदूराम वर्मा के पुत्र प्रेमलाल वर्मा सपरिवार आयोजन में उपस्थित थे। श्रीमती संतोष झांझी ने अपना प्रसिद्ध गीत नमन है जिन्दगीं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वरिष्ठ नागरिक संघ आमदी नगर के अध्यक्ष अरूण अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया। अतिथियों तथा विशिष्टि प्रतिभागियों को स्मृतिचिन्ह एवं शाल भेंटकर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामसेवक वर्मा, विनायक अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अब्दुल कलाम, नीतिश कुमार, खड़ानंद वर्मा, प्रहलाद वर्मा, उषा वर्मा, मधु वर्मा और प्रेमलाल बबला सहित संस्कृति साहित्य एवं लोकमंच से जुड़े व्यक्त्वि उपस्थित थे।

निजी स्कूलों के फीस में लगातार हो रही मनमानी वृद्धि पर लगाएं लगाम - प्रतीक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने दुर्ग जिले के निजी स्कूलों द्वारा की जा रही लगातार मनमानी फीस वृद्धि पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी से तत्काल कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि दुर्ग जिले के अधिकांश निजी विद्यालयों द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए फीस में असामान्य वृद्धि की जा रही है। अधिनियम में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि विद्यालय फीस समिति द्वारा एक बार में अधिकतम 8 प्रतिशत तक ही फीस वृद्धि की जा सकती है। यदि इससे अधिक वृद्धि करनी हो तो विद्यालय फीस समिति को अपना प्रस्ताव जिला फीस विनियमन समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है,जहां जिला स्तर पर समिति द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जाता है। इसके बावजूद कई निजी स्कूल बिना अनुमति के फीस बढ़ाकर पालकों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 10 की उपधारा 8 के तहत 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि के लिए जिला समिति की अनुमति आवश्यक है,जबकि धारा 13 के अनुसार विद्यालय फीस समिति के निर्णय के विरुद्ध अपील सुनने का अधिकार जिला फीस विनियमन समिति को है, जिसमें जिला कलेक्टर अध्यक्ष एवं जिला शिक्षा अधिकारी सचिव होते हैं। यह व्यवस्था पालकों के हितों की रक्षा के लिए बनाई गई है,लेकिन वतर्मान में इसका पालन सही तरीके से नहीं किया जा रहा है।

जीवन भर सीखते रहें, ईमानदारी से करें नेतृत्व : विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रसाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर शनिवार सुबह रायपुर पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर विदेश मंत्री का स्वागत शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और संस्थान के प्रतिनिधियों ने भी उनका अभिनंदन किया। स्वागत के बाद वे सीधे एयरपोर्ट से नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर के लिए रवाना हुए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रसाद ने आईआईएम के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप भारत की यात्रा के एक निर्णायक मोड़ पर ग्रेजुएट हो रहे हैं। आज भारत जनसांख्यिकीय ऊर्जा, तकनीकी क्षमता और बढ़ते वैश्विक जुड़ाव के संगम पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इनोवेशन से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, फाइनेंस से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, सभी क्षेत्रों में भारतीय पेशेवर वैश्विक मंच पर लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अवसर अपने साथ ज़िम्मेदारी भी लाता है। पेशेवर और भविष्य के लीडर के तौर पर, आप न केवल कंपनियों और उद्योगों को आकार देने में मदद करेंगे, बल्कि इस बात को भी तय करेंगे कि भारत दुनिया के साथ कैसे जुड़ेगा।

15वें दीक्षांत समारोह आईआईएम ने अपने 552 मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स में से 8 पीएचडी, 9 गोल्ड मेडल और डिग्रियां दी गई। इस समारोह में फाइनल प्लेसमेंट में 167 रिक्रूटर्स ने हिस्सा लिया इनमें 45 नए रिक्रूटर्स शामिल थे। इनमें से एक का सबसे ज़्यादा पैकेज 42.66 लाख रुपए का रहा। आईआईएम ने इस साल कैंपस विस्तार के दूसरे चरण के लिए 250 करोड़ की प्रतिबद्धता हासिल की। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन पुनीत डालमिया ने कहा, क्लास ऑफ 2026, आप ऐसे समय में ग्रेजुएट हो रहे हैं जब दुनिया में बहुत बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसमें महत्वाकांक्षा जरूरी है, लेकिन ईमानदारी से कोई समझौता नहीं हो सकता। जीवन भर सीखते रहें, ईमानदारी से नेतृत्व करें और अपने दायरे से बाहर जाकर प्रभाव डालें। आपका मूल्यांकन आपके पद या वेतन से नहीं, बल्कि इस बात से होगा कि आप दूसरों के जीवन में क्या बदलाव लाते हैं। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर संजीव प्रशार ने कहा, सच्ची सफलता केवल महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि अनुशासित प्रयास, कर्म में ईमानदारी और अपने उद्देश्य के प्रति समर्पण से प्राप्त होती है। जैसे ही आप अपनी यात्रा के अगले चरण में कदम रखते हैं, याद रखें कि क्क्ट रायपुर केवल मैनेजर नहीं बना रहा है; यह बिजनेस के मालिक तैयार कर रहा है। इस विरासत को दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाएँ।

उन्होंने कहा, "इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल ही में दुनिया भर में आए कई झटकों ने हमारी सहनशक्ति की परीक्षा ली है, और भारत ने उन सभी का मजबूती से सामना किया है। हमने देश के अंदर और बाहर, दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया है।" डॉ. जयशंकर ने कहा, "हमारे समाज में एक ऐसा आशावाद है जो दुनिया के कई दूसरे हिस्सों में देखने को नहीं मिलता। अब आप पूछ सकते हैं कि ऐसा क्यों है? पिछले 10 साल काफी बेहतर रहे हैं, जिससे यह भरोसा जगा है कि अगले 10 साल और उसके बाद का समय भी बेहतर ही होगा। आखिर, अब हम दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुके हैं।"

उन्होंने कहा कि इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल ही में दुनिया भर में आए कई झटकों ने हमारी सहनशक्ति की परीक्षा ली है और भारत ने उन सभी का मजबूती से सामना किया है। हमने देश के अंदर और बाहर, दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, "ज्यादा समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नई नींव रखी है, जिस पर खड़े होकर अब हम सभी और भी ऊंची आकांक्षाएं पाल सकते हैं। हमने न सिर्फ डिजिटल क्रांति को पूरे उत्साह के साथ अपनाया है, बल्कि असल में इसे अपने जीवन में एक मकसद के साथ लागू भी किया है। यहाँ तक कि कई विकसित समाजों ने भी ऐसा नहीं किया है। शायद यह 'कर दिखाने की भावना' का भी एक जागरण है।"

खास खबर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : सिद्दी समुदाय के पहलवानों ने जीते 3 स्वर्ण और 1 रजत पदक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

'प्रतिभा को किसी परिचय की जरूरत नहीं होती'- यह कहावत 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स- 2026' में सच साबित हुई, जहां कर्नाटक के 'सिद्दी समुदाय' के पहलवानों ने मैट पर अपनी जबरदस्त छाप छोड़ी है। उनकी यह सफलता अब सिर्फ.पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समुदाय के कुश्ती के क्षेत्र में एक ताकत के तौर पर उभरने का प्रतीक है। अफ्रीकी मूल के भारत में लगभग 50,000 सिद्दी लोग रहते हैं, जिनमें से एक-तिहाई कर्नाटक में निवास करते हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में कर्नाटक के 9 पहलवानों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 4 सिद्दी समुदाय से थे। इन चार पहलवानों में से तीन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि एक को रजत पदक मिला। स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवानों में मनीषा जुआवा सिद्दी (76 किग्रा), रोहन एम डोड़ामणि (ग्रीको रोमन 60 किग्रा) और प्रिंसिता पेदरू फर्नांडिस सिद्दी (68 किग्रा) शामिल हैं जबकि शालिना सेयर सिद्दी (57 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन पहलवानों की सफलता न सिर्फ उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी कहती है, बल्कि कुश्ती जैसे खेलो में सिद्दी समुदाय के बढ़ते वर्चस्व को भी दिखाता है। कर्नाटक के इन चारों पहलवानों का दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में ट्रायल हुआ था और वहां भी ये पहले नंबर पर रहे थे। सिद्दी समुदाय के प्रदर्शन से कर्नाटक कुश्ती टीम की कोच ममता बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

ममता ने कहा, "जैसे हमारे देश में कुश्ती में हरियाणा का दबदबा है तो ठीक वैसे ही हमारे राज्य में अहलियाल क्षेत्र का कुश्ती में वर्चस्व रहता है। राज्य में डिपाटमेंट ऑफ यूथ एंड डेवलपमेंट एंड सेंटर मुख्य रूप से इन्हीं सिद्दी समुदाय के लिए है। इनके बच्चे यहीं पर ट्रेनिंग करते हैं। पिछले कुछ समय से इस समुदाय के लोगों के अंदर कुश्ती का क्रेज बढ़ा है और वे अब अपने बच्चों को कुश्ती में भेजने लगे हैं।

उत्तरी कर्नाटक के धारवाड़ जिले से आने वाले पुरुष पहलवान रोहन एम. डोड़ामणि भी इसी समुदाय से आते हैं। डोड़ामणि की मां सरकारी स्कूल में खाना पकाती हैं जबकि पिता का छह साल पहले ही देहांत हो चुका है।

रोहन ने कहा, सिद्दी समुदाय के अंदर समय-समय पर छोटे दंगल होते रहते हैं और जो इनमें जीतता है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाता है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में स्वर्ण जीतने से पहले मैं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप, नेशनल गेम्स और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी भाग ले चुका हूं।" देश में खिलाड़ियों के अंदर छिपी प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें एक बेहतर मंच देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल मंत्रालय ने मिलकर 2018 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स की शुरुआत की थी। उसके बाद खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत हुई है।

साई के टैलेंट डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य महा सिंह राव कहते हैं, " साई और खेल मंत्रालय की तरफ से हम कम उम्र के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करते हैं ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2036 ओलंपिक खेल भारत में हो, उस सपने को साकार करने के लिए ये सरकार की रणनीति का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री के अलावा खेल मंत्री, साई और हम इस सपने को साकार करने में लगे हुए हैं कि आगे आने वाले ओलंपिक खेलों में हम ज्यादा से ज्यादा मेडल जीते।" उत्तर कन्नड़ कारवार जिले से आने वाली शालिना सेयर सिद्दी ने इस प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने के बाद कहा, "हमारे समुदाय में कुश्ती को लेकर अब लोग दिलचस्पी लेने लगे हैं। मैंने अपने अंकल के कहने पर कुश्ती शुरू की थी और शुरू से ही वह मुझे ट्रेनिंग देते आ रहे हैं। मैंने इस प्रतियोगिता के लिए मेहनत तो पूरी की थी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और मैं स्वर्ण जीतने से चूक गई।"

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ कारवार जिले से ही आने वाली प्रिंसिता सिद्दी ने कहा, "शुरुआत में मुझे कुश्ती में दिलचस्पी नहीं थी और मैं बहुत रोई थी। लेकिन फिर धीरे-धीरे जब हमारे समुदाय के बच्चे इसमें भाग लेने लगे तो उन्हें देखकर मैं भी प्रैक्टिस करने लगी।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन जनजातीय प्रतिभाओं के लिए ऐतिहासिक और यादगार मंच - मुख्यमंत्री साय

स्पर्धाओं में स्वर्ण के लिए 1 लाख रुपये, रजत के लिए 75 हजार रुपये और कांस्य के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल आडिटोरियम रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की आदिवासी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी खेल क्षमता को सामने लाने का अनूठा अवसर साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और मार्गदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। साथ ही केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज देश के खेल मानचित्र में प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज और खेल का रिश्ता सदियों पुराना है। तीरंदाजी, दौड़ और कुश्ती जैसे खेल जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उन्होंने स्वयं के जनजातीय पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में अपार ऊर्जा और प्रतिभा निहित है, जिसे सही मंच मिलने पर देश-विदेश में पहचान मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश की एकता, संस्कृति और कौशल का महाकुंभ बनकर उभरा है। देशभर के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जनजातीय खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह आयोजन आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने और खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों ने केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि साहस और उत्कृष्टता की नई कहानियां रचने के लिए प्रतिस्पर्धा की है। उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि बस्तर, सरगुजा, झारखंड और पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी भरपूर है।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कर्नाटक, द्वितीय स्थान ओडिशा और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झारखंड के खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने कुल 19 पदक (03 स्वर्ण, 10 रजत और 06 कांस्य) हासिल किए हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि स्विमिंग में अनुष्का भगत ने 4 रजत पदक जीते, निखिल खलखो और न्यासा पैकरा ने भी पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। एथलेटिक्स में सिद्धार्थ नागेश ने स्वर्ण और रजत पदक जीते, वहीं अन्य खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वेटलिफ्टिंग में निकिता ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश की बेटियों का मान बढ़ाया। बालिका वर्ग फुटबॉल टीम ने स्वर्ण और बालक वर्ग हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और समर्पण से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पदक विजेताओं के लिए नगद पुरस्कार की घोषणा भी की। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक के लिए 2 लाख रुपये, रजत के लिए 1.5 लाख रुपये और कांस्य के लिए 1 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं दलीय स्पर्धाओं में स्वर्ण के लिए 1 लाख रुपये, रजत के लिए 75 हजार रुपये और कांस्य के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने अंत में सभी खिलाड़ियों, कोच, आयोजन समिति, अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं को इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ जनजातीय खेलों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत उन्हें ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक अवश्य पहुंचाएगी।

समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश के जनजातीय खिलाड़ियों ने इस खेल महाकुंभ में उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। उन्होंने बताया कि यह पहला अवसर है जब इस स्तर पर ट्राइबल गेम्स का आयोजन किया गया, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में यह आयोजन संभव हो पाया। श्री साव ने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के आगमन से लेकर प्रतियोगिता के दौरान आवास, भोजन और अन्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की। साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कराने का भी प्रयास किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह आयोजन और अधिक भव्य रूप में आयोजित होगा। उन्होंने पदक तालिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को बधाई दी तथा छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव विकास शील ने सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देशभर के 2000 से अधिक जनजातीय खिलाड़ी एवं अधिकारियों ने भाग लिया, जिससे यह प्रतियोगिता एक राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण मंच बन गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनजातीय प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। यह मंच खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर देता है।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मेरीकॉम और फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिसोदिया, छत्तीसगढ़ राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में देश भर से आए खिलाड़ी उपस्थित थे।

राज्यपाल से रेडक्रॉस प्रतिनिधियों ने की सौहार्दपूर्ण मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका के सरायपाली प्रवास के दौरान रेडक्रास एवं एन सी सी के पदाधिकारियों ने भेंट की। कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष विनय कुमार लंगेह एवं अनुपमा आनंद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली के दिशा-निर्देशन एवं सभापति संदीप दीवान (इंडिया रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा महासमुंद) के मार्गदर्शन तथा जिला संगठक डा अशोक गिरि गोस्वामी के नेतृत्व में भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा महासमुन्द अन्तर्गत पदाधिकारियों ने मुलाकात की।

सभी ने रेडक्रास गीत गाकर राज्यपाल का स्वागत किया। रेडक्रॉस काउंसलर्स एवं वालेंटियर्स की टीम ने राज्यपाल एवं पदेन अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस

सोसाइटी (राज्य शाखा, रायपुर) का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने रेस्ट हाउस परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पीपल का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

तेज आंधी-तूफान के बाद पेड़ गिरने से यातायात ठप

महासमुंद। जिले में शनिवार की शाम अचानक आए तेज आंधी और तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर बेलसोंडा के पास छोटे-बड़े लगभग तीन दर्जन से अधिक पेड़ गिर गए, जिससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक आए तूफान और आंधी की तीव्रता के चलते कई पेड़ जड़ से उखड़ गए और सड़क पर गिर गए। इसके कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए।

प्रशासन ने जेसीबी मशीन और अन्य साधनों की मदद से गिरे हुए पेड़ों को हटाने का कार्य शुरू किया। पुलिस और प्रशासनिक टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को धीरे-धीरे साफ किया और वाहनों के लिए यातायात पुनः सुचारू कर दिया। इस दौरान यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और विशेष सावधानी बरतें। साथ ही, वाहन चालक और आम जनता से मार्ग पर सावधानीपूर्वक चलने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया।

जल संरक्षण के कार्यों को और गति दें,अधिक से अधिक पेड़ लगाकर संरक्षित करें-राज्यपाल

राज्यपाल रमेन डेका ने सरायपाली में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने जल संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए किसानों को डबरी खनन के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि विकासखंड में 218 डबरी स्वीकृत की गई हैं तथा बड़ी संख्या में निर्माण कार्य पूर्ण किए गए हैं, राज्यपाल ने और गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल श्री डेका ने सरायपाली प्रवास के दौरान रेस्ट हाउस में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल ने वृक्षारोपण को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाए। कैंपा एवं मनरेगा मद से वृहत वृक्षारोपण करते हुए शासकीय भवनों, रेस्ट हाउस परिसरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जाएं। विभाग ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 1.50 लाख पौधरोपण किया गया है तथा अमृत सरोवरों के आसपास भी हरित विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने तथा धान के साथ उद्यानिकी फसलों के समावेश पर बल दिया। उन्होंने जैविक चावल के वैल्यू एडिशन के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाने, हितग्राहियों से सेवा शुल्क लेने तथा सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई एवं उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने टीबी रोगियों की जानकारी ली और उनके उपचार की सतत निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने समाज के सक्षम व्यक्तियों को टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने, रेडक्रॉस से जुड़ने तथा ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मोतियाबिंद के उपचार हेतु जागरूकता अभियान एवं शिविर आयोजित करने पर बल दिया। उन्होंने एम्स से समन्वय स्थापित कर बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

श्री डेका ने योग को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों में प्रारंभ से ही योग की आदत विकसित की जाए तथा इसके लिए नियमित प्रशिक्षण और कक्षाएं संचालित की जाएं। उन्होंने अधिक से अधिक पुस्तकालय खोलने तथा महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर लखपति दीदी बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में सरायपाली विधायक श्रीमती चतुरी नंद भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय लंगेह ने जिले में संचालित विकास कार्यों एवं प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, एसडीएम श्रीमती अनुपमा आनंद सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

कमजोर होता रुपया

गिरावट रोकने को केंद्रीय बैंक बदले रणनीति

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं।

इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपये के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सवर्कालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए।

आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रूपये के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपये की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपये के संरक्षण में हो सकता है।

हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आथिर्की और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रूपये को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपये का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है।

यही मांग बाजार में रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपये को ह्यशॉक एब्जॉर्बरह्ण बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनविर्चार की जरूरत है। जानकार मानते हैं कि इस दिशा में केंद्रीय बैंक को आक्रमक रणनीति अपनानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये को संबल देने में करना चाहिए। इसके जरिये टाले जा सकने वाली गिरावट रोकी जा सकती है। इसके लिये अर्थव्यवस्था में नकदी संतुलन भी जरूरी है। बाजार की स्थिरता के लिये ब्याज दरों का संतुलन भी लाभप्रद हो सकता है। जिससे रुपये के कमजोर होने का दबाव अर्थव्यवस्था पर न पड़े।

बदलाव की बयार : जहां था डर और प्यास वहाँ अब विकास : लखपाल बना नई उम्मीद की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

कभी नक्सल भय और पेयजल संकट से जूझता सुकमा जिले का दूरस्थ ग्राम लखापाल विकास की नई कहानी लिख रहा है। वर्षों तक जहां ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब हर घर में नल से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। यह बदलाव केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में कोंटा विकासखंड के घोर नक्सल प्रभावित ग्राम लखापाल में विकास की वह रोशनी पहुंची है, जिसकी यहां वर्षों से प्रतीक्षा थी।

जहां पानी के लिए थी जद्दोजहद, अब घर-घर बह रहा अमृत

जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 88 किलोमीटर दूर स्थित लखापाल गांव लंबे समय तक नक्सल समस्या और पेयजल संकट की दोहरी मार झेलता रहा। गांव के 117 परिवार पानी के लिए बोरिंग, कुएं और एक छोटे नाले पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में जलस्तर इतना नीचे चला जाता था कि ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों को कई बार दूर-दराज से पानी लाना पड़ता था। समय और मेहनत के साथ-साथ बीमारियों का खतरा भी लगातार बना रहता था।

72 लाख की योजना ने बदल दिया गांव का भविष्य

सुकमा जिले के कार्यपालन अभियंता श्री विनोद कुमार राम ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत लखापाल में 72.01 लाख रुपये की लागत से 4 सोलर पंप टंकी स्थापित की गई। इसके माध्यम से गांव में 117 घरेलू नल कनेक्शन दिए गए। गांव की कुल

जनसंख्या 465 है, और अब हर परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

महिलाओं की आंखों में राहत, चेहरे पर मुस्कान

गांव की महिला श्रीमती लखे तेलाम भावुक होकर बताती हैं कि पहले पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी। नाले और बोरिंग से पानी लाना पड़ता था। कई बार मौसमी बीमारी हो जाती थी। महुआ बीनकर लौटने के बाद पानी लेने जाना बहुत मुश्किल होता था। अब नल से घर में ही दिनभर पानी मिलता है। हम बहुत खुश हैं। शासन की योजना बहुत अच्छी है। उनकी बातों में केवल राहत नहीं, बल्कि एक नए जीवन की उम्मीद झलकती है।

डर के साये से विकास की राह तक

गांव के निवासी तेलाम बुधु बताते हैं कि पहले लखापाल में भय का माहौल था। हमारा गांव पहले नक्सल समस्या से प्रभावित था। लोग खौफ में जीते थे। बिजली, पानी और सड़क की समस्या थी। गांव में पहले नक्सलियों की मीटिंग होती थी। गांववालों से पैसा और चावल-दाल जमा कराया जाता था। लेकिन अब बदलाव आ गया है। अब पंचायत की मीटिंग ग्राम विकास के लिए होती है। बिजली, पानी, राशन और सड़क की सुविधा मिल रही है ह्व उनके शब्द साफ कहते हैं अब गांव में डर नहीं, विकास की चर्चा होती है।

स्वच्छ जल से स्वास्थ्य में सुधार, बीमारी में कमी

जल जीवन मिशन के लागू होने के बाद लखापाल में सिर्फ पानी की सुविधा नहीं आई, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन देखने को मिला। अब जलजनित बीमारियों में कमी आई है और स्वच्छ पेयजल के कारण ग्रामीणों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है।

अब सब्जी-बाड़ी से आत्मनिर्भरता की ओर गांव

नल जल योजना से पानी मिलने के बाद ग्रामीणों ने खेती और बाड़ी की ओर कदम बढ़ाया है। अब गांव के लोग अपने घर के आसपास टमाटर, मिर्ची, बरबट्टी, सेमी और खट्टा भाजी उगा रहे हैं। इससे न केवल घर में सब्जी की व्यवस्था हो रही है, बल्कि बाजार से सब्जी खरीदने का खर्च भी बच रहा है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्राम लखापाल जैसे दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना प्रशासन की बड़ी उपलब्धि है। इससे ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाकर विकास की रोशनी हर क्षेत्र तक पहुंचाई जाएगी।

ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री और प्रशासन के प्रति आभार

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। घर में नल से पानी मिल रहा है, जिससे जीवन आसान, सुरक्षित और सम्मानजनक हुआ है।

लखापाल बना उदाहरण- विकास हर कोने तक पहुंच रहा है

जल जीवन मिशन ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार की योजनाएं ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ जमीन पर उतरती हैं, तो नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों में भी विकास की नई रोशनी पहुंचती है। आज लखापाल गांव केवल पानी की सुविधा नहीं पा रहा बल्कि वह भय से मुक्त होकर आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

कुसुम की खेती के प्रति बालोद जिले के किसानों में बढ़ा रुझान

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

सरकार की तिलहन प्रोत्साहन योजनाओं और जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब बालोद के खेतों में दिखने लगा है। कृषि विभाग के कृषक चौपाल और फसल चक्र परिवर्तन के प्रति जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर जिले के किसानों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन उत्पादन, विशेषकर कुसुम की खेती की ओर कदम बढ़ाए हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का परिणाम है कि बालोद जिले में जिस कुसुम की खेती का रकबा पहले शून्य था, वह इस वर्ष बढ़कर 157 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्नत बीजों का चयन, कतार पद्धति से बुआई और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के कारण वर्तमान में फसल लाभदायक साबित हुआ है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, कुसुम की खेती कई मायनों में फायदेमंद है, कम जल खपत, इसे बहुत ही सीमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और लागत भी न्यूनतम आती है। कुसुम की खेती मिट्टी की उवर्रा शक्ति को बनाए रखने में सहायक मानी जाती है। मौसम अनुकूल रहने पर अच्छी पैदावार से किसानों की आय दोगुनी होने की प्रबल उम्मीद है। घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों के 37 ग्रामों के 194 कृषकों ने पहली बार नवीन तिलहन फसल के रूप में कुसुम का प्रदर्शन लिया है।

भविष्य में कुसुम की खेती के विस्तार हेतु बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कुल कृषकों में से 79 कृषकों ने 101 हेक्टेयर क्षेत्र में बीज उत्पादन हेतु बीज निगम में पंजीयन कराया है। इससे आने वाले समय में जिले के किसानों को स्थानीय स्तर पर ही उन्नत बीज प्राप्त हो सकेंगे। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा खेतों का नियमित निरीक्षण और कीट प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है, जिससे फसल की गुणवत्ता बेहतर बनी हुई है। बालोद जिले के किसानों का यह सामूहिक प्रयास अब आसपास के क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

महिलाओं को सक्षम बनाने महतारी वंदन योजना बनी मददगार : आर्थिक सहायता से हेमा बनीं आत्मनिर्भर

नई दृष्टिबिंदु / गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

महिलाओं के साथ असमानता को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार लाने, आर्थिक स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, परिवार में उनकी निर्णय लेने की भूमिका को सुदृढ़ करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना लागू की गई है। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी, जिसे मलिाओं ने इसे एक अवसर के रूप में देखा और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने उपयोग करने लगी।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के छोटे से ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंग की कहानी आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली हेमा सिंग ने आज अपने आत्मविश्वास और सरकारी योजना के सहयोग से अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी। जिसे हेमा सिंग ने इसे एक अवसर के रूप में देखा।

हेमा सिंग ने इस राशि को बचाकर अपने घर के पास एक छोटा सा किराना स्टोर शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी दुकान चल निकली। गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए उनका व्यवसाय बढ़ने लगा और आय में भी स्थिरता आने लगी। आज उनकी दुकान न सिर्फ उनकी आर्थिक मजबूती का आधार बनी है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी बड़ा बदलाव लाई है। हेमा सिंग अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला पा रही हैं और भविष्य के लिए भी बचत कर रही हैं। पहले जहां रोजमर्रा के खर्चों को लेकर चिंता बनी रहती थी, वहीं अब उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और संतोष साफ नजर आता है।

महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को लगातार आर्थिक मजबूती मिल रही है। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में नई आशा और अवसर लेकर आया है। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अपनी सफलता का श्रेय देते हुए हेमा सिंग कहती हैं कि महतारी वंदन योजना उनके लिए एक नई शुरुआत साबित हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को आभार व्यक्त किया और कहा कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

दो मैच हारकर भी आईपीएल के इतिहास में दर्ज हुआ सीएसके का खास रिकार्ड, आरसीबी को पीछे छोड़ बनी नंबर वन

एकांत प्रिय चौहान

आईपीएल 2026, सीजन 19 का सातवां मैच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और पंजाब किंग्स के बीच 3 अप्रैल को खेला गया। इस मैच में पंजाब की टीम ने 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता है और उन्होंने पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। चेन्नई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाने में कामयाब रही। पंजाब ने इस टारगेट को 18 .4 ओवर में हासिल कर लिया। पंजाब की ये इस सीजन की लगातार दूसरी जीत है। वहीं चेन्नई को लगातार दूसरे मुकाबले में हार मिली।

आईपीएल के इस सीजन में सीएसके का प्रदर्शन निराशाजनक ही देखा जाएगा। लेकिन सीएसके के नाम 5 बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम करने का रिकार्ड भी दर्ज है। सबसे पहले उसने आईपीएल 2010 में मुंबई इंडियंस को हराकर पहला खिताब जीता। इसके बाद 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराकर दूसरी बार ट्रॉफी हासिल की। फिर 2018 सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल में हराया, 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर चौथा खिताब जीता और 2023 में गुजरात टाइटंस को हराकर 5वां खिताब अपने नाम किया है।

आईपीएल 2026 की बात करें तो इस सीजन में सीएसके ने लगातार दो मैच गंवाए हैं। इसके बाद भी आईपीएल के इतिहास में उसके नाम एक खास रिकार्ड दर्ज हो गया है। ये रिकार्ड है आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बनाने वाली टीम का है। सीएसके ने आईपीएल इतिहास में 36वीं बार ये कारनामा किया है, जबकि दूसरे नंबर पर काबिज आरसीबी की टीम 35 बार ये कारनामा करने में कामयाब हो सकी है। वहीं पंजाब किंग्स ने 33 बार, मुंबई इंडियंस ने 32 बार और कोलकाता नाइट राइडर्स ने 30 बार सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बनाएं हैं।

वहीं आईपीएल 2026 की बात करें तो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और पंजाब किंग्स के बीच 3 अप्रैल को खेले गए सातवें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। वह 7 बॉल में 7 रन बनाकर ही आउट हुए। इस मैच में आयुष म्हात्रे, सरफराज खान और शिवम दुबे ने शानदार बल्लेबाजी की। म्हात्रे 43 बॉल में 73 रन बनाकर टीम के लिए टॉप रन स्कोरर रहे। वहीं शिवम दुबे 27 बॉल में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। सरफराज खान ने 12 गेंदों में ताबड़तोड़ अंदाज में 32 रन ठोक दिए।

टारगेट का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को इस मैच में शानदार शुरुआत मिली। पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्या और प्रभसिमरण सिंह ने 61 रन जोड़े। प्रियांश ने 11 बॉल पर 39 रन बनाए। प्रभसिमरण ने 34 बॉल में 43 रन की पारी खेली। पंजाब की तरफ से एकमात्र अर्धशतक श्रेयस अय्यर के बल्ले से आया, उन्होंने 29 बॉल पर 50 रन बनाए। चेन्नई की तरफ से मैट हेनरी और अंशुल कंबोज ने दो-दो विकेट लिए।

धोनी की कप्तानी में सीएसके नाम दर्ज है कई अनोखे रिकार्ड

आईपीएल में धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स के नाम कई ऐसे रिकार्ड दर्ज हैं, जो बाकी टीमों के लिए फिलहाल सपने जैसा ही है।

लगातार चार बार फाइनल में पहुंचने का रिकार्ड

आईपीएल 2010 से 2013 के चार सीजन की बात करें तो इसमें सीएसके ने 4 बार लगातार फाइनल में पहुंचने का रिकार्ड बनाया है। और इसमें भी लगातार दो बार 2010 और 2011 में जीत दर्ज की है। आज तक कोई भी टीम ऐसा नहीं कर पाई है।

सबसे ज्यादा 10 बार फाइनल में पहुंचने वाली टीम है सीएसके

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 16 सीजनों में 10 बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रचा है। आईपीएल 2028 के फाइनल में राजस्थान रॉयल्स से हारकर सीएसके उपविजेता रही। वहीं 2010 मुंबई इंडियंस को हराकर जीत दर्ज की। 2011 में रॉयल चैलेजर्स बैंगलोर को हराया तो 2012 में कोलकाता नाइट राइडर्स से हार उपविजेता बनी। इसी तरह 2013 में उपविजेता (मुंबई इंडियंस से हारी), 2015 उपविजेता (मुंबई इंडियंस से हारी), 2018 विजेता (सनराइजर्स हैदराबाद को हराया), 2019 उपविजेता (मुंबई इंडियंस से हारी), 2021 विजेता (कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया) और 2023 में गुजरात टाइटन्स को हराकर पांचवीं बार आईपीएल खिताब जीता।

सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंची

आईपीएल के शुरुआती आठ सीजनों में सीएसके ने हर बार प्लेऑफ में पहुंचकर इतिहास बनाया है। 2008 से 2015 तक यह टीम लगातार शीर्ष 4 में रही, जो किसी भी फ्रेंचाइजी के लिए एक सपना है।

सीएसके के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर मुरली विजय के नाम

मुरली विजय आईपीएल में सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने 2010 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए अपने पहले ही सीजन में 55 गेंदों में 127 रनों की शानदार पारी खेली थी। इसमें भी 8 चौके और 11 छक्के शामिल थे। उन्होंने 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए क्या करें और क्या न करें?

किसी भी व्रत के दौरान व्रत के विधान एवं नियम-संयम का पालन करने पर धर्म शास्त्रों में अधिक जोर दिया गया है। सही विधि-विधान पूर्वक इष्ट देवी-देवता के प्रति समर्पण भाव से किया गया व्रत मनचाहा फल प्रदान करता है। सम्पूर्ण फल के लिए व्रत के दिन इस प्रकार की हो दिनचर्या एवं इस प्रकार करें पूजन।

ज्योतिष शास्त्र अनुसार हमारे ऋषि-मुनियों ने बताया है कि व्रत तप का ही एक प्रासंगिक संक्षिप्त स्वरूप है। व्रत का विधान अधिकतर आध्यात्मिक या मानसिक शक्ति की प्राप्ति, चित्त अथवा आत्मा की शुद्धि, संकल्प शक्ति की दृढ़ता, वातावरण की पवित्रता, विचारों के उच्च एवं स्वास्थ्य के लिए हितकारी होता है। भारतीय संस्कृति में हमारे शास्त्रों के अनुसार व्रत के द्वारा व्यक्ति अपने भौतिक एवं पारलौकिक संसार की सुव्यवस्था करता है। इसमें प्रत्येक वर्ण, वर्ग, आयु, जाति, साधना पद्धति, आश्रम और अभिलाषा के लिए एक समान अवसर होता है।

व्रत के दिन क्या करें

व्रत के दिन प्रात:काल नित्य प्रक्रिया संपन्न करके शुद्ध वस्त्र धारण करना चाहिए। उसके बाद पूर्व या ऊपर दिशा की ओर अभिमुख होकर हाथ में जल, चावल, सुपारी, पैसे और पुष्प लेकर मांगलिक व्रत का संकल्प लेना चाहिए। संकल्प लेने से व्यक्ति की आंतरिक प्रमुख शक्तियां सजग होकर उनका मनोबल बढ़ाती है एवं श्रद्धा और विश्वास से मन ओत-प्रोत हो जाता है। व्रत के दिन मन से प्रसन्न होकर दिनचर्या निभानी चाहिए, इस दिन यथासंभव मौन रहने से आंतरिक शक्ति की प्राप्ति होती है। व्रत मानसिक एवं शारीरिक रूप से पवित्र रहने पर ही पूर्ण फलप्रदाता है।

व्रत के दिन क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, परनिंदा, आलस्य से बचना चाहिए। व्रत के दिन उससे सम्बन्धित देवी-देवता का ध्यान करके उनका चिंतन, दिन में उनकी महिमा का सात्विक साहित्य अध्ययन करने से मानसिक बल की प्राप्ति होती है। व्रत करते हुए दिन में सोने से परहेज करना अति उत्तम माना गया है। भारतीय संस्कृति में व्रत के पश्चात अपने आराध्य को पूजा एवं मंत्र जप से प्रसन्न करें।

शिव-पार्वती से सम्बन्धित व्रतों में भगवान शिव की आराधना में धूप, दीप, गंध, चंदन का तिलक, चावल, बिल्वपत्र, पुष्प, शहद, यज्ञोपवीत, धतूरा, कमलगट्टा, आक का फल या फूल से अर्चना करें। मां गौरी को सुहागिन स्त्रियां और कुंवारी कन्याएं श्रृंगार भेंट करें। अति प्रसन्न एवं श्रद्धापूर्वक लाल हरी या पीतांबरी रंग की चुनरी ओढ़ाएं। शुद्ध घी का दीपक लगाकर आरती उतारें। भगवान शिव भोले बाबा एवं मां गौरी अति कृपालु हैं, वे सुहागिन स्त्रियों का पति की दीर्घायु, सफल जीवन का एवं कुंवारी कन्याओं को मनोवांछित वर की प्राप्ति कराने में विलंब नहीं होने देते। अत्यंत श्रद्धापूर्वक किया गया प्रत्येक व्रत मनोकामना पूर्ति का सेतु बनता है।

वैशाख माह में किन देवी-देवताओं की पूजा करने से मिलेगा सुख-शांति और सौभाग्य का आशीर्वाद

हिंदू धर्म में वैशाख माह का बहुत महत्व है। यह हिंदू चंद्र कैलेंडर का दूसरा महीना है। इस माह में दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है। अब ऐसे में वैशाख माह में किन देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने से शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह का आरंभ जल्द ही होने जा रहा है। इस माह का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में पवित्र नदियों में स्नान करने और दान-पुण्य करने से व्यक्ति को सुख-सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। इस माह में जप, तप बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में किसी तरह का ग्रहदोष है तो वैशाख माह में पूजा-पाठ करने से लाभ हो सकता है। अब ऐसे में इस माह में किन देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने से लाभ हो सकता है।

वैशाख माह में करें अपने आराध्य की पूजा

हिंदू पंचांग के हिसाब से वैशाख माह को सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है। इस माह में आप अपने आराध्य की पूजा विधिवत रूप से करें। इनकी पूजा-अर्चना करने से जातकों पर आराध्य की कृपा बनी रहती है और जीवन में आ रही समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। आप अपने आराध्य की पूजा वैशाख माह में किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते हैं।

वैशाख माह में शनिदेव की उपासना विशेष रूप से करनी चाहिए। इस माह में शनिदेव की पूजा-अर्चना करने से दोगुने फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दौरान व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैशाख माह में शनिदेव की पूजा करने से इन कष्टों से राहत मिल सकती है। इस माह में शनिदेव की पूजा करने से करियर में स्थिरता और आर्थिक लाभ हो सकता है।

वैशाख माह में करें हनुमान जी की पूजा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी की पूजा वैशाख माह में विशेष रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि इस माह में हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसलिए इस माह में हनुमान जी की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है।

वैशाख माह में करें कुलदेवता की पूजा

धार्मिक परंपराओं में कुलदेवता को पितरों से भी जोड़ा जाता है। वैशाख माह में उनकी पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है, जिससे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

वैशाख माह में करें भगवान विष्णु की पूजा

वैशाख माह में भगवान विष्णु की पूजा विशेष रूप से करें। ऐसा कहा जाता है कि इनकी पूजा करने से व्यक्ति को लाभ हो सकता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

वैशाख माह में किन चीजों की खरीदारी करना माना जाता है शुभ

हिंदू धर्म में वैशाख माह को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की का प्रतीक माना जता है। इस माह में इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सभी दुखों और कष्टों से छुटकारा मिल सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में दान-पुण्य किया जाए तो व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है और भाग्योदय हो सकता है। आपको बता दें, इस माह में शनिदेव की पूजा भी विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में इस माह में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिसकी खरीदारी करना शुभ माना जाता है।

वैशाख माह को सभी सुखों और मनोकामना पूर्ति का कारक माना जाता है। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा भी विधि-विधान के साथ की जाती है। इसलिए इस माह में नए वस्त्र खरीदना चाह रहे हैं, तो आप खरीद सकते हैं। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है और व्यक्ति को दरिद्रता से भी छुटकारा मिल सकता है।

वैशाख माह में खरीदें नया कलश

वैशाख माह भगवान विष्णु को समर्पित है। कलश को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस माह में नया कलश खरीदना शुभ माना जाता है। आपको बता दें, नया कलश खरीदना एक शुभ शुरुआत का प्रतीक है। यह माना जाता है कि नया कलश घर में समृद्धि और खुशहाली लाता है। वैशाख माह में कलश की पूजा भी विधिवत रूप से की जाती है। इसलिए इस माह में आप पीतल का कलश जरूर खरीदें।

वैशाख माह में खरीदें नए जूते-चप्पल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वैशाख माह में शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का भी विधान है और जूते-चप्पल का संबंध भी शनिदेव से है। इसलिए अगर किसी जातक की कुंडली में शनिदोष है या फिर साढ़ेसाती के अशुभ प्रभाव देखने को मिल रहे हैं तो वैशाख माह में जूते-चप्पल खरीद सकते हैं। इससे उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है और ग्रहदोष से भी छुटकारा मिल सकता है। आपको बता दें, अगर आप जूते-चप्पल खरीद रहे हैं तो शुक्रवार के दिन ही खरीदें। इससे भाग्योदय हो सकता है।

वैशाख माह को क्यों कहते हैं माधव मास?

वैशाख का महीना 3 अप्रैल से शुरू हो गया है। यह हिन्दू वर्ष का दूसरा माह कहलाता है। वैशाख माह को शास्त्रों में पुण्य अर्जित करने वाला माह माना गया है। इस माह में श्री कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। वैशाख माह से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं जिनके बारे में इस माह के दौरान सुनने या जानने से आध्यात्मिक कृपा प्राप्त होती है और जीवन को नई दिशा भी मिलती है। वहीं, वैशाख माह से संबंधित एक और रोचक तथ्य है जिसके अनुसार इस माह को माधव मास भी कहते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, माधव श्री कृष्ण का ही एक नाम है। माधव शब्द मधु से बना है। मधु का अर्थ होता है शहद और माधव का अर्थ होता है शहद सा मीठा। यानी कि माधव अर्थात श्री कृष्ण जो शहद की भांति ही मीठे है, अर्थात जिनकी वाणी बहुत सौम्य है। यह नाम श्री कृष्ण को उनके सखाओं ने ही दिया था। श्री कृष्ण गोकुल के ग्वाल बालों को लिये माखन चोरी करके लाते थे, अपने सखाओं के कारण उन्हें गोपियों और माता यशोदा से डांट भी सुननी पड़ती थी, लेकिन इसके बाद वे अपने सखाओं के साथ सौम्य रहते थे। इसी कारण से श्री कृष्ण के सखाओं ने उनका नाम माधव रख दिया था। जिस माह में श्री कृष्ण का यह नाम रखा गया है वह वैशाख माह था और तभी से वैशाख माह का एक नाम माधव मास या माधव माह पड़ गया।

इस माह में श्री कृष्ण की आराधना करना शुभ होता है। माधव मास या वैशाख माह में श्री कृष्ण की पूजा करने से उनकी असीम कृपा मिलती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जिन लोगों द्वारा पाप कर्म ज्यादा हुए होते हैं उनके प्रति भी इस माह में श्री कृष्ण सौम्य हो जाते हैं और उन्हें पुण्य कमाने का एक अवसर और प्रदान करते हैं।

इस माह में श्री कृष्ण की पूजा करने से परिस्थितियों में उलझे हुए व्यक्ति को उससे बाहर निकलने और आगे बढ़ने का मार्ग नजर आने लग जाता है। इस माह में श्री कृष्ण के माधव नाम का जाप करने से सुख-समृद्धि कि प्राप्ति होती है और व्यक्तित्व निखरने लग जाता है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में जरूर करें ये 3 काम, दूर होंगी सभी बाधाएं

हिंदू धर्म में वैशाख माह को सौभाग्य और शुभता का कारक माना जाता है। यह माह एकमात्र ऐसा है, जिसमें सभी देवी-देवताओं के साथ-साथ पितरों को प्रसन्न करने लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। अब ऐसे में इस माह में पितरों की कृपा के लिए कौन से उपाय करने से लाभ हो सकते हैं। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में वैशाख माह सबसे पवित्र माह में से एक है। इस माह से ही मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। इसलिए इस माह को और भी महत्वपूर्ण माना गया है। इस माह में पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। इतना ही नहीं, इस माह में भगवान विष्णु, भोलेनाथ और शनिदेव के साथ-साथ पितरों की पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है या फिर कुंडली में किसी भी तरह का कोई अशुभ स्थान है। तो वैशाख माह में पूजा-पाठ और उपाय करने से लाभ हो सकता है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में करें जल का दान

वैशाख माह में पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए जलदान का विशेष महत्व है। इस महीने में गर्मी अधिक बढ़ जाती है, जिससे लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जलदान करने से पितरों को शांति मिलती है और उनकी आत्मा तृप्त होती है। इतना ही नहीं, जलदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए वैशाख माह में खरीदें छाता

हिंदू धर्म में छाता को बेहद शुभ माना जाता है। छाता खरीदने और उसका दान करने से पितरों को लाभ हो सकता है और उनकी कृपा प्राप्त होती है। छाता दान करने से व्यक्ति को छाया और सुरक्षा मिलती है। यह दान पितरों के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि पितरों को कृपा प्राप्ति के लिए नया छाता ही खरीदें और उसका दान करें। भूलकर भी पुराने छाते का दान न करें।

वैशाख माह में चीटियों को खिलाएं आटा

शास्त्र के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चीटियों को भोजन कराने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उनकी तृप्ति होती है। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। आपको बता दें, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चीटियों का संबंध शनि और राहु-केतु ग्रहों से होता है। इसलिए, उन्हें आटा खिलाने से इन ग्रहों के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। साथ ही पितरों को भी तृप्ति मिलती है।

'धुरंधर 2' की सफलता का दिखा असर, 'ऑपरेशन सिंदूर' की घोषणा; विवेक अग्निहोत्री करेंगे निर्देशित

फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है, इस फिल्म को निर्देशक विवेक अग्निहोत्री निर्देशित करेंगे। फिल्म को भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। आधिकारिक घोषणा करते हुए मेकर्स ने फिल्म को लेकर जानकारी साझा की है। विवेक अग्निहोत्री ने बताया कि इस फिल्म को लेकर उन्होंने काफी गहरी रिसर्च की है।

विवेक अग्निहोत्री ने साझा की जानकारी

अपनी फिल्म को लेकर विवेक अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'भूषण कुमार और मैंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। यह एक ऐसी कहानी है जिसने हमारे देश में सुरक्षा की परिभाषा ही बदल दी। पाकिस्तान के परमाणु झूठ का पर्दाफाश किया। यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल केजीएस टाइनी ढिल्लों की किताब 'ऑपरेशन सिंदूर– द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर आधारित है।'

फिल्म को लेकर की गई गहन रिसर्च

आगे अपनी पोस्ट में विवेक लिखते है, 'पहलगाम आतंकी हमले के बाद के हालात पर आधारित यह कहानी होगी। इसमें भारतीय सशस्त्र बलों की कई शाखाओं के सहयोग से हमने जमीनी स्तर पर गहन रिसर्च की है। यह कहानी सच्ची है। इसका मकसद सिर्फ शोर मचाना नहीं है। हम तथ्यों के साथ और सिनेमा के जादू के जरिए दुनिया को हकीकत दिखाना चाहते हैं।'

'धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर किया कमाल

इन दिनों 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई कर रही है। फिल्म की इस सफलता ने बॉलीवुड को हैरान कर दिया। यही वजह है कि अब असल घटनाओं से प्रेरित एक्शन फिल्मों की घोषणा सुनने को मिल रही है।

अभिनेत्री से प्रोड्यूसर की कुर्सी पर बैठीं सयानी गुप्ता

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने 'आर्टिकल 15', 'जॉली एलएलबी 2', 'फैन' और 'पार्च्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब वे बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सयानी ने अपना प्रोडक्शन हाउस, 'सयानी गुप्ता मूवीज' लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से हो रही है, जो इस बैनर के तहत बनने वाला पहला प्रोजेक्ट है।

स्टोरीटेलिंग में शामिल होना चाहती हूं

फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एक दशक से ज्यादा समय तक काम करने के बाद अभिनत्री सयानी गुप्ता का कहना है कि प्रोडक्शन की तरफ उनका यह कदम इसलिए है, क्योंकि अब वे स्टोरीटेलिंग में ज्यादा शामिल होना चाहती हैं। 'धीरे–धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे' सयानी ने कहा, 'यह मेरा एक पुराना सपना रहा है। मैं हमेशा से कुछ खास तरह की कहानियां कहना चाहता थी और इसका मकसद सहयोग के लिए एक ऐसा माहौल बनाना है, जो काम को सरल और सहज बनाए। हम धीरे–धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे। एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर ध्यान देंगे। हमारे लिए लेखन की गुणवत्ता, कला और कहानी कहने का तरीका हमेशा पहले रहेगा। ऐसा करने के लिए, हर प्रोजेक्ट को सही समय, देखभाल और पूरा ध्यान देना जरूरी है'।

इन फिल्मों के प्रोडक्शन में भूमिका निभा चुकी हैं सयानी

शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' स्त्ररूका पहला प्रोजेक्ट है। इसमें रेवती के साथ–साथ दरिया बेदी और अभय कौल मुख्य भूमिका में हैं। इसे सयानी ने लिखा है। निर्देशन का जिम्मा भी उन्होंने ही संभाला है और वे ही इसे प्रोड्यूस कर रही हैं। हालांकि, इससे पहले उन्होंने 'व्हेयर द विंड्स ब्लो' और 'ऊपर नीचे' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ–साथ 'डियर मेन' और ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करने वाली फिल्म 'शेमलेस' जैसी कई शॉर्ट फिल्में को–प्रोड्यूस की थीं, लेकिन 'आसमानी' उनका पहला पूरी तरह से अपना प्रोडक्शन है। इस फिल्म के लिए सयानी ने पूरे महाराष्ट्र में लोकेशन ढूंढने में एक साल से ज्यादा समय बिताया। आखिरकार पुणे को उन्होंने अपना बेस बनाया, क्योंकि उनके पुराने संस्थान से उनका गहरा जुड़ाव था।

अभिलाष थपलियाल ने गिनाए गैर-फिल्मी परिवार से आने के नुकसान

अभिनेता अभिलाष थपलियाल कई फिल्मों में अपने अलग किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'दिल जंगली', 'केनेडी', 'मैदान' और दूसरी फिल्में में अदाकारी की है। अभिलाष थापलियाल ने अब फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी जगह बनाने में आने वाली मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है।

फिल्मी परिवार से होना है सौभाग्य

अभिलाष थापलियाल ने बातचीत में बताया कि एक जाना–माना सरनेम इस इंडस्ट्री में उनके लिए दरवाजे खोल सकता है। उन्होंने कहा, 'बेशक। यह एक सौभाग्य है। अगर वह मिल जाए, तो उससे बेहतर कुछ नहीं। मेरा मतलब है, अगर मेरा सरनेम भी कपूर या खान होता, तो बात कुछ और ही होती।'

स्टारकिड की होती है चर्चा

उन्होंने खुद के बारे में कहा 'जरा सोचिए, एक एक्टर जो विलेन का रोल कर रहा है, जो एक शराबी का रोल कर रहा है, एक फोटोग्राफर का रोल कर रहा है। अगर कोई स्टार किड यह करता, तो चर्चा हो जाती?'

फिल्मी परिवार से न होने के नुकसान

अभिनेता ने उन लोगों को होने वाली मुश्किलों पर भी चर्चा की, जो फिल्मी परिवारों से नहीं आते। उन्होंने बताया कि बाहर से आए लोगों के पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं। उन्होंने कहा, 'एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर, हम सिर्फ उन्हीं चीजों में से चुन सकते हैं, जो हमें ऑफर की गई हैं।'

कौन थी 'टॉक्सिक' में लीड एक्ट्रेस के लिए पहली पसंद? निर्देशक ने किया खुलासा; कियारा आडवाणी को लेकर कही ये बात

टैलेंट अब भी मायने रखता है

भाई–भतीजावाद के फायदों को मानते हुए भी, अभिलाष ने इस बात पर जोर दिया कि टैलेंट अब भी जरूरी है। उन्होंने इस बात से सहमति जताई कि जब टैलेंट के साथ इंडस्ट्री का साथ भी मिल जाए, तो इससे करियर को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

अभिलाष का वर्कफ्रंट

अभिलाष हाल ही में अनुराग कश्यप की फिल्म 'केनेडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में राहुल भट्ट और सनी लियोनी भी अहम किरदारों में हैं।

'टॉक्सिक' में अपने किरदार को लेकर कियारा आडवाणी ने दी जानकारी

'केजीएफ' स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज में वक्त है। फिल्म यश के नए लुक के साथ–साथ अपनी स्टारकास्ट, खासकर महिला किरदारों को लेकर भी लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब फिल्म में नादिया का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है।

किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा

ग्रैजिया के साथ हालिया बातचीत में कियारा ने अपने किरदार को लेकर कहा कि नादिया का किरदार अब तक पढ़े गए किरदारों में सबसे अनोखा है। मेरी निर्देशक गीतु मोहनदास ने जिस तरह से इस किरदार को लिखा और उसकी यात्रा को आकार दिया है, उससे मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे लगा कि मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और उनकी नजर में इस भूमिका को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

फिल्म से कियारा का पहला लुक सामने आ चुका है। इसमें एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में एक स्टेज पर खड़ी नजर आई थीं। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में फिल्म का पहला गाना 'तबाही' रिलीज किया गया है। हालांकि, अभी तक गाने का सिर्फ ऑडियो वर्जन ही सामने आया है। लेकिन गाने के पोस्टर में कियारा यश के साथ रोमांटिक पोज में दिखी थीं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है और उन्हींने संगीत भी दिया है। गाने को हिंदी के अलावा कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया गया है।

इस वजह से आगे बढ़ी रिलीज डेट

'टॉक्सिक' का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसमें यश के नए लुक को देखकर फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए थे। पहले 'टॉक्सिक' 19 मार्च को 'धुरंधर : द रिवेंज' के साथ ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन गल्फ देशों में चल रहे तनाव के चलते फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। अब 'टॉक्सिक' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

अजय देवगन ने नए प्रोजेक्ट का किया एलान

सत्य घटना पर होगा आधारित

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है – 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। यह 2 अप्रैल को रिलीज हो रही है। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

...मुझे इस काम के लिए बुलाया गया लेकिन मुझे मजा ही नहीं आ रहा था

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार–बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े–लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति–पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन–सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

जिले को मिली नई संजीवनी : 108 सेवा के तहत 05 आधुनिक एम्बुलेंस की सौगात

कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को किया रवाना

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

राज्य शासन द्वारा आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले को 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवा के अंतर्गत 05 नई एम्बुलेंस प्रदान की गई हैं। इनमें 01 एडवांस लाइफ सपोर्ट (ए एल एस) एवं 04 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी एल एस) एम्बुलेंस शामिल हैं।

नई एम्बुलेंस सेवाओं का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्हन ताम्रकार, सांसद प्रतिनिधि खम्मन ताम्रकार, प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य घम्मन साहू, नगरपालिका अध्यक्ष खैरागढ़, गिरजा चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति ललित चोपड़ा, जिला भाजपा उपाध्यक्ष टीके चंदेल ,जनपद अध्यक्ष खैरागढ़ प्रतिनिधि डॉ. शैलेन्द्र त्रिपाठी, कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल, सीईओ जिला पंचायत प्रेम कुमार पटेल, विकेश गुप्ता, जिला भाजयुमो अध्यक्ष आयश सिंह "बोनी", पार्षद एवं सभापति देविन कोठले,अनुज देवांगन, नंद चंद्राकर,महेश गिरी गोस्वामी, संदीप दाससहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया।

इन अत्याधुनिक एम्बुलेंसों में बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोमीटर जैसी आवश्यक जांच सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सपोर्ट, नेब्यूलाइजर एवं अन्य आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं, अछर एम्बुलेंस में गंभीर मरीजों के उपचार हेतु पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर मॉनिटर, सिरिंज पंप एवं लैरिंगोस्कोप जैसे उन्नत उपकरण भी लगाए गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री सोनल ध्रुव, जिला लेखा प्रबंधक नवीन चौहान, जिला डेटा प्रबंधक खिलेश साहू सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं मितानिन बहनों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि नई अछर एवं इछर एम्बुलेंस सेवाओं के शुरू होने से गंभीर मरीजों को समय पर उन्नत जीवनरक्षक उपचार मिल सकेगा, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में मृत्यु दर में कमी लाने और मरीजों के शीघ्र उपचार में मदद मिलेगी।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में 108 एम्बुलेंस सेवा का अधिकतम उपयोग करें एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में सहयोग प्रदान करें। जिले को प्राप्त ये 05 नई संजीवनी एक्सप्रेस एम्बुलेंस आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं एवं रेफरल प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

खास खबर

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में गूंजा जय हनुमान का जयघोष

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर साल की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से हनुमान प्रकटोत्सव मनाया गया। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि शाम 6 बजे हनुमान प्रकटोत्सव पर पूजा अर्चना किया गया। आकर्षक झांकी के साथ शोभायात्रा में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवाओं ने अपने हाथों में केसरिया रंग का ध्वज थामें जय हो बजरंगबली एवं जय हनुमान के नारे लगाते हुए शोभा यात्रा को नगर भ्रमण कराया।

शोभायात्रा बाजे-गाजे के साथ बाबा दरबार से निकली जो बजरंग पारा बजार चौक मुख्य गली होते हुए शीतला पारा, कर्मा मंदिर, बमलई पारा से गोल्डन चौक होते महावीर उद्यान पहुंची। यहां पर विराजे गदाधारी हनुमान जी का श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना किया गया। दोपहर 3 बजे से महावीर उद्यान में खिचड़ी और हलवा प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि रात्रि 10 बजे छत्तीसगढ़ के मशहूर श्रीराधाकृष्ण नाच पार्टी धुर्रे बंजारी वाले का कार्यक्रम का लाभ हुआ, जिसमें शिक्षा प्रदत्त कौमिक का प्रदर्शन कर गांव को शुद्ध स्वच्छ और शराब सहित मोबाइल से बच्चे आज कैसे बिगड़ रहे हैं इसके बार में बताया गया जिसे देखकर सभी भक्तों ने भाव विभोर हो गए।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से दरबार लक्ष्मण बाबा, विनोद साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, जीवराखन ठेकेदार, बाबू लाल, दिनेश साहू, मारियल साहू, वासुदेव स्प्रे, पूर्व उपसरपंच कुंभकरण पटेल, मुनना गंधर्व, सुनील पेंटर, एम लाल देवांगन, कल्याण देवांगन, ललित साहू, रोशन साहू, डॉ. धनेशवर साहू, रोहित, झब्बू साहू, गुमान, टीकम साहू, सुंदर सपरे, चंन्द्र कांत देवांगन, दिनेश यादव, रामु यादव, ओमकार साहू, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, सुनीता साहू, मितानिन कौशिलया सेन, रुखमणि साहू, पावर्ती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, संगीता सपरे, उपसरपंच टिकेशवरी साहू, लक्ष्मी साहू, हितेश पटेल, नीरा साहू, मुंगा सपरे, गीता देवांगन, मंजू साहू, पुष्पा देवांगन, कु. पुजा साहू, कु. वेदू साहू, कु. नेहा साहू, कु. सुरुचि, छोटी, कु. डिंपल साहू, कु. विनना साहू आदि श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चंन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

किसान संकट मोचन हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए ग्रामीण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़-छुईखदान के विचारपुर-पंडरिया भाठा में गुरुवार का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जब आस्था, एकता और संघर्ष का अद्भुत संगम देखने को मिला। किसान हनुमान संकट मोचन दक्षिणमुखी मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा ने न केवल धार्मिक वातावरण को दिव्यता से भर दिया, बल्कि 55 गांवों के किसानों की सामूहिक शक्ति और संकल्प को भी नई पहचान दी।

सुबह की पहली किरण के साथ ही श्रद्धा का महासागर उमड़ पड़ा। भगवान हनुमान की भव्य प्रतिमा को ओटेबंद से बाजे-गाजे और जयकारों के बीच पंडरिया लाया गया। पूरे क्षेत्र में जय श्री राम और हनुमान जी की जय के उद्घोष गूंजते रहे। इसके बाद निकली करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कलश यात्रा ने आयोजन को और भी अलौकिक बना दिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी 1500 से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर जिस श्रद्धा और अनुशासन के साथ भाग लिया, उसने इस आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा से भर दिया।

करीब 5 फीट ऊंची और लगभग 7 क्विंटल वजनी हनुमान प्रतिमा को क्रेन की सहायता से गभर्गृह में स्थापित किया गया। विधि-विधान, मंत्रोच्चार और वैदिक रीति से मुख्य यजमान गिरवर 'जंघेल, लुकेश्वरी जंघेल और वीरेंद्र जंघेल ने प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। उस क्षण का साक्षी बना हर व्यक्ति भाव-विभोर हो उठा—मानो पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हो गया हो।

लेकिन यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा। प्राण प्रतिष्ठा के तुरंत बाद विशाल किसान महापंचायत का आयोजन हुआ, जिसने इस पूरे कार्यक्रम को एक ऐतिहासिक जनआंदोलन का रूप दे दिया। 10 हजार से अधिक किसानों की उपस्थिति और उनमें लगभग आधी संख्या महिलाओं की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह संघर्ष केवल पुरुषों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। 22 हजार वगर्फीट में बने विशाल पंडाल में जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां हर वर्ग, हर समाज और हर गांव की आवाज एक साथ गूंजी।

महापंचायत में लिए गए तीन बड़े फैसलों ने किसानों के इरादों को और मजबूत कर दिया। किसानों ने एक स्वर में कहा कि वे किसी भी प्रकार की धमकी या दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। जब तकप्रस्तावित सीमेंट फैक्ट्री को रद्द नहीं किया जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही, पोला तिहार पर इसी स्थल पर अगली महापंचायत आयोजित करने और पारंपरिक बैल दौड़ व गेड़ी दौड़ का आयोजन करने का निर्णय लिया गया—जो उनकी संस्कृति और संघर्ष दोनों का प्रतीक होगा।

किसान अधिकार संघर्ष समिति के संरक्षक गिरवर जंघेल ने बताया कि इस आयोजन की एक और खास बात रही सर्वसमाज की भागीदारी। साहू, लोधी, यादव , निषाद , सतनामी, आदिवासी समाज सहित विभिन्न समाजों के अध्यक्ष एवं प्रमुखों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक आवाज है। समाज अध्यक्ष तिलेश्वर , उत्तम जंघेल, विशेषर दास साहू,चंद्रशेखर यादव, नीना ताम्रकार,दशमत जंघेल, गिरिराज किशोर दास वैष्णव, विनोद ताम्रकार,राजकुमार जंघेल, डॉ नेतराम जंघेल, प्रेमलाल जंघेल सहित बड़ी संख्या में समाज और जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही 'वहीं हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया, जो सामाजिक समरसता और एकजुटता का जीवंत उदाहरण बना।

अध्यक्ष लुकेश्वरी जंघेल ने बताई कि यह मंदिर अब केवल पूजा-अचर्ना का स्थल नहीं रहा, बल्कि किसानों के संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरा है। प्रस्तावित श्री सीमेंट फैक्ट्री के विरोध में चल रहे आंदोलन को इस आयोजन ने नई धार दी है। किसानों का मानना है कि यह मंदिर उनकी आस्था के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संकल्प का केंद्र है। 55 गांवों की एकता अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुकी है।

हालांकि, आयोजन से पहले मंदिर निर्माण को लेकर सरकारी जमीन पर विवाद भी सामने आया था। पटवारी द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया, लेकिन किसानों ने अपने इरादे साफ कर दिए थे—ह्लमंदिर निर्माण हर हाल में होगा।ह्व अंततः उनका दृढ़ संकल्प ही उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ और हजारों लोगों की मौजूदगी में यह ऐतिहासिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में किसान अधिकार संघर्ष समिति के संरक्षक गिरवर जंघेल, मोतीलाल जंघेल, अध्यक्ष लुकेश्वरी जंघेल, संयोजक सुधीर गोलछा, सचिव प्रियंका जंघेल, सहित अन्य पदाधिकारी प्रमोद सिंह, मुकेश पटेल, मन्नू चंदेल, श्रवण जंघेल, संजू चंदेल, बीरेंद्र जंघेल, विष्णु मंडल, सौरभ जंघेल, विक्रम मनोहर यादव, ज्ञानेंद्र जंघेल, लक्की जंघेल, सहित 25 से अधिक सरपंच एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे

आज यह स्थल केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, संघर्ष और एकता का जीवंत प्रतीक बन चुका है। संयोजक सुधीर गोलछा के महापंचायत में गूंजे संकल्प की आवाज अब दूर तक सुनाई दे रही है—एक ऐसी आवाज, जो किसानों के हक, उनकी जमीन और उनके अस्तित्व की रक्षा के लिए लगातार बुलंद होती रहेगी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने से परेशान हितग्राही, भाजपा सरकार पर वर्मा का हमला

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा ने प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में वृद्ध, दिव्यांग एवं गरीब विधवा महिलाओं को पिछले छह महीनों से पेंशन राशि नहीं मिल रही है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्मा ने कहा कि यह स्थिति पहली बार बनी है, जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग— असहाय वृद्धजन, निशक्त दिव्यांग और गरीब विधवा महिलाएं—अपनी ही पेंशन के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में इन जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए कोई जनप्रतिनिधि आगे नहीं आ रहा है।

कृषि विभाग ने किसानों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कृषि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत तहसील कुमरदा क्षेत्र के कृषकों को अन्य जिलों में प्रगतिशील कृषकों के फार्म एवं खेतों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान किसानों को खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के युवा किसान सौरभ जंघेल के फार्म हाउस का भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें मशरूम उत्पादन एवं जैविक खेती के माध्यम से आय बढ़ाने के तरीके बताए गए।

साथ ही गण्डई क्षेत्र में पड़त भूमि पर की जा रही ड्रैगन फ्रुट की खेती का भी अवलोकन कराया गया तथा इसके उत्पादन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। किसानों को कबीरधाम जिले के कृषक रूपेश जायसवाल के खेतों का भी भ्रमण कराया गया, जहां 27 एकड़ में खरबूजा, 12 एकड़ में पपीता एवं टमाटर सहित अन्य फसलों की उन्नत खेती की जा रही है। किसानों को बताया गया कि रबी सीजन में इन फसलों को धान के विकल्प के रूप में अपनाकर बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। लोहारा विकासखंड के भ्रमण के दौरान किसान समूहों द्वारा सामूहिक खेती, बाजार सुविधा, कीट एवं रोग नियंत्रण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी सुदेश कुमार पटेल सहित अन्य कृषि अधिकारी उपस्थित थे।

राकेश पाण्डेय का मना जन्म दिन, कार्यकर्ताओं में उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू,युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सौरभ जयसवाल, मलकीत सिंह लल्लू अपने समर्थकों के साथ सम्मिलित होकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

छत्तीसगढ़ में पहली बार पकड़ाया समुद्री गांजा, 2 तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से कुल 2 किलो गांजा और 2.3 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया है। यह पहली बार है जब प्रदेश में हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। हाइड्रोपोनिक गांजा हाई टीएचसी वाला अधिक नशीला मादक पदार्थ माना जाता है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बोरसी रोड स्थित बीज विकास निगम के पास, रुआबांधा भिलाई क्षेत्र में कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से लगभग 2 किलो सामान्य गांजा और 2.3 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा चिलम और रोलिंग पेपर भी जब्त किए गए। आरोपी विक्रम साहु और यश विश्वकर्मा, भिलाई के रहने वाले हैं।

थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 155/2026 के तहत धारा 20(ख), 27(ए), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अब मादक पदार्थ के स्रोत और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच में जुटी हुई है। हाइड्रोपोनिक गांजा उगाने की प्रक्रिया में मिट्टी का उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि पौधों को पोषक तत्व सोल्यूशन और पानी के माध्यम से उगाया जाता है। इस तकनीक से कम समय और कम पानी के उपयोग में अधिक पैदावार होती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाइड्रोपोनिक तकनीक लैब आधारित तकनीकों की तुलना में भी अधिक प्रभावशाली मानी जाती है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हाइड्रोपोनिक गांजा अधिक नशीला होने के कारण तस्करों के लिए यह मुनाफा बढ़ाने का जरिया बन गया था। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई का संदेश गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस कार्रवाई के बाद जिले में अवैध मादक पदार्थों की निगरानी और बढ़ाई जाएगी। पुलिस लगातार ऐसे मामलों पर नजर बनाए रखेगी और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

नंदिनी टीआई हुए निलंबित

दुर्ग। जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने नंदिनी नगर थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप साव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई NDPS एक्ट, आबकारी एक्ट, जुआ और सट्टा जैसे प्राथमिकता वाले मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं करने और कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में की गई है। पुलिस मुख्यालय से मिले निर्देशों के बावजूद थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में विफलता सामने आई। वर्ष 2026 में एसीसीयू टीम द्वारा की गई रेड में आबकारी एक्ट के 4, NDPS एक्ट का 1, सट्टा एक्ट के 4 और जुआ एक्ट का 1 प्रकरण दर्ज किया गया, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गतिविधियों का खुलासा हुआ।

कर्तव्य में लापरवाही पर गिरी गाज : एसएसपी ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए निरीक्षक भानु प्रताप साव को निलंबित कर रक्षित केंद्र दुर्ग से संबद्ध कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। **7 दिन में जांच रिपोर्ट के निर्देश :** मामले में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, धमधा को प्राथमिक जांच कर 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। **लापरवाही बर्दाश्त नहीं :** इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में स्पष्ट संदेश गया है कि अवैध गतिविधियों पर ढिलाई या कर्तव्य में उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

जेसीआई रायपुर राइस सिटी 'मलिका-ए-दिल 2026' टाइटल विजेता की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जेसीआई रायपुर राइस सिटी द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम 'मलिका-ए-दिल 2026' सफलतापूर्वक एवं भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस आयोजन में प्रतिभागियों की शानदार भागीदारी, उत्कृष्ट प्रतिभा तथा उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जिसने कार्यक्रम को अत्यंत गरिमामय बना दिया।

कार्यक्रम में छह विशिष्ट जूरी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता का संचालन पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया गया, जिसमें जजों के मूल्यांकन के साथ-साथ जन-सहभागिता—जैसे व्यूज, लाइक्स, शेयर एवं रीपोस्ट्स—को भी समुचित महत्व दिया गया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की विजेता सुश्री ममता नायक रहीं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, आकर्षक व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास के बल पर सभी प्रतिभागियों में विशेष पहचान बनाई और यह सम्मान अपने नाम किया। विशेष सम्मान स्वरूप उन्हें जेसीआई रायपुर राइस सिटी की मैगजीन मॉडल के रूप में भी लॉन्च किया गया।

उपविजेता के रूप में सुश्री रोशनी, सूरज सूयर्वशी एवं सुश्री आलिया परवीन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह, समर्पण एवं प्रतिभा के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अंत में, जूरी सदस्यों एवं अध्यक्ष शिवानी मित्रा ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की कामना की।

संस्कार का विद्यार्थी बैंक परीक्षा में हुआ चयनित, बरमकेला का अश्विनी पटेल बना क्षेत्र का गौरव

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

शहर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल का पूर्व छात्र बरमकेला के प्रसिद्ध निवासी ताराचंद पटेल माता श्रीमती गोदावरी पटेल का सुपुत्र अश्विनी पटेल का चयन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के लिए हुआ है। ज्ञात हो कि अश्विनी पटेल के पिता ताराचंद पटेल अघरिया समाज बरमकेला के पूर्व अध्यक्ष व जनपद सदस्य बरमकेला है। अश्विनी का मूल गांव विक्रमपाली है। उसने संस्कार पब्लिक स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर बीटेक इलेक्ट्रीकल्स से कॉलेज किया तत्पश्चात अश्विनी ने बैंकिंग क्षेत्र में परीक्षा दी जिसमें भारतीय स्टेट बैंक के जूनियर एसोसिएट के रूप में सफलता पाकर पदस्थापना मिली। अश्विनी की सफलता पर संस्कार पब्लिक स्कूल के मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि अश्विनी प्रारंभ से ही मेघावी छात्र था। स्कूल में उसने शिक्षा के साथ-साथ को कैरीकुलर गतिविधियों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उसकी सफलता पर संस्कार पब्लिक स्कूल गौरवान्वित है।

क्या कहते हैं अश्विनी पटेल

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में जूनियर एसोसिएट(2025) के रूप में चयन होना मेरे लिए सिर्फ एक नौकरी पाना नहीं, बल्कि उन वर्षों की मेहनत का परिणाम है जिसकी नींव संस्कार पब्लिक स्कूल, रायगढ़ में रखी गई थी। मेरी शैक्षणिक यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव कक्षा 6वीं से 10वीं तक का समय रहा। इसी दौरान मुझे न केवल किताबी ज्ञान मिला, बल्कि अनुशासन और सही मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। इन्हीं संस्कारों का फल था कि मैंने कक्षा 10वीं (सीबीएसई) में 10 सीजीपीए हासिल कर स्कूल में टॉप किया और आज बैंकिंग के इस मुकाम तक पहुँच सका।

रामचन्द्र शर्मा का नेतृत्व दूरदर्शी - अश्विनी

मेरी इस सफलता में विद्यालय के नेतृत्व और शिक्षकों की भूमिका सबसे ऊपर है जिसमें सर्वाधिक योगदान डायरेक्टर एवं मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा सर का है। उन्हें पता है कि बच्चे को किस दिशा में जाना चाहिए वे अपनी पारखी नजर से और दूरदर्शी नेतृत्व से मुझे निरंतर प्रेरणा प्रदान किए और हमेशा बड़े सपने देखने व उसे पूरा करने का साहस प्रदान किए। वे वास्तव में मेरे लिए एक लाईटहाउस के तरह भूमिका अदा किए। जिसने स्कूल छोड ? के बाद भी मेरा मार्गदर्शन किया। उनके अलावा श्री सी.पी. देवांगन सर द्वारा गणित विषय में दी गई शिक्षा मेरे लिए वरदान साबित हुई। उनके विषय पर पकड़ और मार्गदर्शन का भी मेरी सफलता में विशेष योगदान है। मैं संस्कार पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा सहित संपूर्ण स्टॉफ को मेरा कैरियर गढ ? में योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। इस गौरवशाली पल में, मैं अपनी इस सफलता को अपने परिवार के साथ-साथ अपने स्कूल और गुरुजनों को समर्पित करता हूँ।

आईपीएल सट्टे पर राजनांदगांव पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक, फामर्हाउस से चल रहा हाईटेक रैकेट ध्वस्त

लैपटॉप-मोबाइल और कार सहित 20 .23 लाख की जप्ती, हर गेंद पर लग रहा था लाखों का दांव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आईपीएल सट्टे के खिलाफ राजनांदगांव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हाईटेक सट्टा रैकेट का पर्दाफाश किया है। ग्राम खैरझिटी स्थित एक कृषि फामर्हाउस से संचालित इस संगठित नेटवर्क पर पुलिस ने एक साथ दबिश देकर 9 आरोपियों को चिन्हित किया, जिनमें से 7 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 2 अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में साइबर सेल, थाना घुमका, बसंतपुर और लालबाग की संयुक्त टीमों ने यह कार्रवाई की।

फामर्हाउस बना सट्टे का अड्डा

जांच में सामने आया कि कृषि फार्म में अत्याधुनिक तकनीक के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था। आरोपी लैपटॉप, मोबाइल और विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से सांई ऐप के जरिए हर बॉल और ओवर पर दांव लगवा रहे थे। सट्टे का पूरा हिसाब-किताब कोड भाषा में लिखा जा रहा था, जिससे जांच को गुमराह किया जा सके।

20 लाख से अधिक की जप्ती

पुलिस ने मौके से 1 लैपटॉप, 9 मोबाइल फोन, सट्टा लेखा कॉपी, 1 होंडा सिटी कार, 1 अन्य कार, नगदी राशि और सट्टा पट्टी में दर्ज लाखों रुपए सहित कुल 20 लाख 23 हजार 950 रुपये की सामग्री जप्त की है।

संगठित अपराध का एंगल भी जुड़ा

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 111 (संगठित अपराध) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-D के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

अंतरराज्यीय कनेक्शन के संकेत

गिरफ्तार आरोपियों में नागपुर निवासी एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है, जिससे इस नेटवर्क के अंतरराज्यीय कनेक्शन होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अन्य आरोपियों और नेटवर्क के विस्तार की जांच में जुटी है।

पुलिस की सख्त चेतावनी

राजनांदगांव पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आईपीएल सट्टा और ऑनलाइन जुए के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नामजद अन्य संदिग्धों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में साइबर सेल, थाना घुमका, बसंतपुर और लालबाग की पुलिस टीमों की सराहनीय भूमिका रही।

थाना घुमका के आरोपीगण

नितिन उर्फ लिंबू उर्फ मुंकु नेपाली, स्व. निर्मल कुमार लिंबू, उम्र 45 वर्ष, निवासी गौरीनगर, पुलिस चौकी चिखली, राजनांदगांव, अमित सोनी, पिता सुरेन्द्र सोनी, उम्र 42 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 38 सोनारपारा शीतला मंदिर, थाना बसंतपुर, राजनांदगांव, रियाज खान, पिता इसाक खान, उम्र 35 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 31 कंचन बाग अटल आवास, थाना कोतवाली, जिला राजनांदगांव, चन्द्रशेखर सिन्हा, पिता विद्याधर सिन्हा, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 16 खैरझिटी, थाना घुमका, जिला राजनांदगांव, जसमीत सिंह, उम्र 45 वर्ष, निवासी मानेवारा, नागपुर

बसंतपुर पुलिस के गिरफ्त में आए आरोपी

सागर सोनकर, पिता इंदरमन सोनकर, उम्र 38 वर्ष, निवासी सोनकरपारा नंदई, थाना बसंतपुर, जिला राजनांदगांव, राहुल सोनकर, पिता स्व. मोतीलाल सोनकर, उम्र 39 वर्ष, निवासी सोनकरपारा नंदई, थाना बसंतपुर, जिला राजनांदगांव

थाना लालबाग के आरोपी : 1 तीजूराम साहू, पिता मंगलदास साहू, उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम कुतुलबोर्ड भाटागांव, थाना लालबाग, जिला राजनांदगांव, तुषार साहू, पिता चोवाराम साहू, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम सिंघोला, पुलिस चौकी सुरगी, थाना बसंतपुर, जिला राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ हॉकी की दूसरी जीत, हॉकी कर्नाटक को 4 -1 गोल से किया पराजित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजगीर (बिहार) में आयोजित की जा रही 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर बालक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आज खेले गए अपने तीसरे मुकाबले में पुल में मजबूत टीम हॉकी कर्नाटक को 1 के मुकाबले 4 गोल से पराजित किया। टीम की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया की टिम के शानदार खेल में छत्तीसगढ़ हॉकी की ओर से ओम यादव,रोहन मिंज,अभिषेक यादव और लवी मानिकपुरी ने 1-1 गोल किया। लवी मानिकपुरी को उनके शानदार प्रदर्शन पर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इसके पूर्व खेले गए दो मैच में मेजबान बिहार से 2-2 गोल की बराबरी पर रही थी,

वहीं हिमाचल प्रदेश को 7-2 गोल से पराजित किया था ,पूल का अंतिम मैच कल हॉकी हिमाचल प्रदेश के साथ खेला जाएगा। पूल की टॉप टीम क्वाटरफाइनल प्रवेश करेगी। छत्तीसगढ़ की टीम में यजत कौशिक, योगेश ठाकुर, नमन देवांगन,प्रिंस महतो, योगेश ठाकुर, आकाश तिर्की, ओम यादव, रोहन मिंज, पियूष साहू, अभिषेक यादव, धनंजय यादव , कश्मीर मिंज, आदर्श राज ,भावेश घोड़े,गोपाल पैकरा लवी मानिकपुरी, मिहिर यादव ,आयुष साहू , दक्ष चौबे, योगेश द्विवेदी (कोच,) तथा भूपत अलेंद्र मैनेजर के रूप में शामिल है।

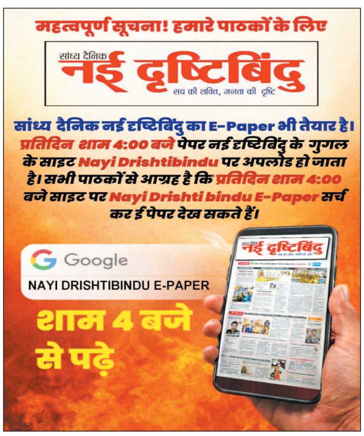

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100